संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 336- शनिवार 11 अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा संबंध और रणनीतिक साझेदारी महत्वपूर्ण मोड़ पर : रक्षामंत्री

नई दिल्ली,10 अक्टूबर 2025। ऑस्ट्रेलिया की दो दिवसीय यात्रा के आखिरी दिन शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिडनी में रक्षा जगत के उद्योगपतियों के साथ पहली गोलमेज बैठक की। उन्होंने दोनों देशों के बीच रणनीतिक,औद्योगिक और तकनीकी क्षेत्रों में बढ़ते तालमेल की पुष्टि की। रक्षा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 में ऑस्ट्रेलिया के साथ स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी के अंतर्गत हम आज महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि यह गोलमेज बैठक केवल एक संवाद नहीं है, बल्कि भारत और ऑस्ट्रेलिया को व्यापार, उद्योग और नवाचार में स्वाभाविक सहयोगी बनाने की भावना की घोषणा है। राजनाथ सिंह ने नवंबर, 2024 में भारत-ऑस्ट्रेलिया शिखर सम्मेलन, अक्टूबर 2024 में 2 प्लस 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता, जून 2025 में ऑस्ट्रेलिया के उप-

प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री की भारत यात्रा और ऑस्ट्रेलिया की अपनी वर्तमान यात्रा सहित द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने वाली उच्चस्तरीय बैठकों की शृंखला को याद किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों की नींव साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थागत समानताओं पर आधारित है। भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों राष्ट्रमंडल देशों का हिस्सा हैं। हमारा साझा इतिहास लोकतंत्र, विविधता, स्वतंत्रता और समान शासन संरचनाओं पर आधारित है। राजनाथ सिंह ने आर्थिक और औद्योगिक उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि भारत विश्व स्तर पर चौथी सबसे बड़ी और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। पिछले वित्त वर्ष में हमारा रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ रुपये (लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब तक का सर्वोच्च स्तर है। हमारा रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ रुपये (2.76 अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया और भारतीय कंपनियां अब लगभग 100 देशों को निर्यात कर रही हैं। घनिष्ठ औद्योगिक सहयोग का आह्वान करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि वह इस मंच को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार और उद्योग में भी स्वाभाविक सहयोगी बनाने के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में देखते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया क्वांटम सिस्टम,स्वचालित अंडरवाटर व्हीकल्स और उन्नत समुद्री निगरानी जैसी विशिष्ट तकनीकों में उत्कृष्ट है,जबकि भारत विशाल विनिर्माण पैमाने,सॉफ्टवेयर क्षमताओं और जहाज निर्माण, मिसाइल तकनीक तथा अंतरिक्ष में स्वदेशी क्षमता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह गोलमेज सम्मेलन हमारे रक्षा उद्योग सहयोग में अप्रयुक्त क्षमता का दोहन करने के लिए एक बड़ा उत्प्रेरक हो सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने स्वचालित मार्ग से 74 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति को उदार बनाया है और नीतिगत हस्तक्षेपों और अनुपालन व्यवस्थाओं के सरलीकरण के माध्यम से रक्षा उत्पादन इको-सिस्टम को निरंतर उदार बनाया जा रहा है।

राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलियाई व्यापार समुदाय को भारत में निवेश, सहयोग और नवाचार के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि हम सब मिलकर अत्याधुनिक तकनीक विकसित कर सकते हैं, उन्नत प्लेटफ़ॉर्म बना सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे उद्योग केवल आपूर्तिकर्ता ही नहीं, बल्कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के रणनीतिक प्रवर्तक भी बनें। रक्षा मंत्री ने एक ऐसी साझेदारी बनाने का आग्रह किया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी एक निर्णायक क्षण

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी एक निर्णायक क्षण में है और नेतृत्व की दूरदर्शिता के साथ मिलकर दोनों देशों के भविष्य को एक साथ आकार देने का अनूठा मौका है। इस गोलमेज सम्मेलन का आयोजन भारतीय रक्षा मंत्रालय, ऑस्ट्रेलियाई रक्षा विभाग,न्यूलैंड ग्लोबल ग्रुप और ऑस्ट्रेलिया-भारत व्यापार परिषद ने संयुक्त रूप से किया। इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के सहायक रक्षा मंत्री पीटर खलील के साथ-साथ दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी,राजनयिक,उद्योग जगत दिग्गज,अनुसंधान संस्थान और नवप्रवर्तक भी शामिल हुए।

पटाखों पर पूरी तरह बैन लगाना असंभव:सुप्रीम कोर्ट

दिल्ली-एनसीआर के राज्यों ने कहा...बच्चों को त्योहार मनाने दें,बेरोकटोक पटाखे फोड़ने दिया जाये

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर 2025। दिवाली से कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन हटाने की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने कहा- दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन लगाना असंभव सा है। यह व्यावहारिक और आदर्श नहीं है। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि ऐसे प्रतिबंधों का अक्सर उल्लंघन होता है। इसी के साथ बेंच ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों को बनाने और बेचने की परमिशन देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान केंद्र और दिल्ली-एनसीआर के राज्यों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- बच्चों को त्योहार मनाने दें। बिना टाइम लिमिट और रोक-टोक पटाखे फोड़ने दिए जाएं। इससे पहले 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे बनाने की

मंजूरी दी थी,लेकिन बिना कोर्ट की इजाजत एनसीआरमें बिक्री न करने की शर्त रखी थी। दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली और उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के 16 जिले आते हैं। 7 सालों से दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन दरअसल, 2017 में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन लगाते हुए ग्रीन पटाखे जलाने का आदेश दिया था। इसके बाद 2018 में पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया। 2024 तक यह बैन लगा रहा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट और सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदूषण स्तर ज्यादा नहीं घटा। साथ ही लोग अक्सर प्रतिबंध तोड़ते रहे। इसी वजह से दिवाली पर बैन का उल्लघंन होने के बाद कोर्ट ने दिल्ली में सभी तरह के पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और फोड़ने पर रोक लगा दी।

कोर्ट ने पूछा-क्या बैन से प्रदूषण घटा

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भी सुनवाई के दौरान पूछा कि 2018 से पटाखों पर चल रहे पूर्ण प्रतिबंध कोई ठोस असर पड़ा है या हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इसके जवाब में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा...प्रदूषण का स्तर करीब वही रहा। हालांकि, कोविड लॉकडाउन के दौरान इंडस्ट्रीज और वाहन गतिविधियां बंद थीं तो प्रदूषण कम हुआ था।

कफ सिरप मामले में कंपनी मालिक रंगनाथन को परासिया कोर्ट में किया पेश,10 दिन की मिली रिमांड

भोपाल,10 अक्टूबर 2025। मध्य प्रदेश में जहरीली कोल्ड्रिफ कफ सिरप से 23 मासूम बच्चों की मौत के मामले में तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के मालिक गोविंदन रंगनाथन को एसआईटी ने चेन्नई से गिरफ्तार कर शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच छिंदवाड़ा जिले के परासिया की कोर्ट में पेश किया गया,जहां पुलिस ने पूछताछ के लिए उसकी रिमांड की मांग की। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट जस्टिस शैलेंद्र उइके की कोर्ट ने रंगनाथन को 10 दिन की रिमांड पर पुलिस को सौंपा है। इस दौरान कोर्ट परिसर में आरोपित रंगनाथन पर हमले की कोशिश की गई। वहां मौजूद लोगों ने मारो और फांसी दो के नारे लगाए। मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से अब तक 23 बच्चों की मौत हो चुकी है। इस मामले की जांच के लिए मप्र सरकार द्वारा गठित विशेष टीम (एसआईटी) ने बुधवार की रात सिरप बनाने की कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल के मालिक गोविंदन रंगनाथन को बुधवार की रात चेन्नई से गिरफ्तार किया था और वहां स्थानीय अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड की मांग की। गुरुवार की रात चेन्नई से उसे लेकर रवाना

हुई टीम नागपुर होते हुए शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे छिंदवाड़ा पहुंची। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा से परासिया ले जाया गया, जहां सुबह 11 बजे से रंगनाथन को परासिया थाने में अभिरक्षा में रखा गया था। एसआईटी शाम को रंगनाथन को लेकर परासिया कोर्ट पहुंची। कोर्ट परिसर के बाहर भीड़ लगी हुई थी। मामले को लेकर लोगों में काफी आक्रोश था। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा। एसआईटी आरोपित रंगनाथन को प्रथम श्रेणी न्यायाधीश शैलेंद्र उइके की अदालत में पेश किया।

वेनेजुएला की मारिया कोरीना माचाडो को मिला नोबेल पुरस्कार

ट्रंप की उम्मीदों पर फिरा पानी

नई दिल्ली,10 अक्टूबर 2025। साल 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार का एलान हो गया है। इस शांति पुरस्कार से वनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो को सम्मानित किया गया है। इस साल के नोबेल पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को कई देशों ने नामांकित किया था। हालांकि, उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया। दरअसल, नोबेल शांति पुरस्कार

मारिया कोरिना मचाडो को वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने के उनके अथक कार्य और तानाशाही से लोकतंत्र में न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण परिवर्तन के लिए दिया जाएगा। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने अपने प्रशस्ति पत्र में कहा है कि जब सत्तावादी सत्ता हथिया लेते हैं, तो स्वतंत्रता के उन साहसी रक्षकों को पहचानना जरूरी है जो उठ खड़े होते हैं और प्रतिरोध करते हैं। इस पत्र में कहा गया कि समिति ने इस समय वेनेजुएला पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। इस साल अमेरिकी डोनल्ड राष्ट्रपति ने दावा किया था कि साल 2025 का नोबेल पीस प्राइज उनको दिया जाना चाहिए। इस साल ट्रंप ने सार्वजनिक मंचों से दावा किया कि उन्होंने कई देशों के बीच युद्ध को समाप्त कराया है। ऐसे में वह नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति को झटका लगा है। इस बात पर गौर किया जाना चाहिए कि इस पुरस्कार की घोषणा से पहले कई विशेषज्ञों ने कहा था कि ट्रंप इसे नहीं जीतेंगे क्योंकि वे उस अंतरराष्ट्रीय विश्व व्यवस्था को ध्वस्त कर रहे हैं जिसे नोबेल समिति संजोए हुए है।

म.प्र. के मुलताई में संघ प्रचारक से मारपीट के मामले में 5 आरोपित गिरफ्तार,30 पर केस दर्ज

बैतूल,10 अक्टूबर 2025। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के मुलताई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक के साथ मारपीट के बाद गुरुवार की रात दो समुदायों के बीच हुए हंगामे को लेकर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 आरोपितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। साथ ही शुक्रवार को पांच आरोपितों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। इससे पहले बैतूल के पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने लापरवाही बरतने को लेकर देर रात ही दो उप निरीक्षकों को निलंबित कर थाना प्रभारी को पहले ही लाइन हाजिर कर दिया गया था। गौरतलब है कि मुलताई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक शिशुपाल यादव के साथ गुरुवार शाम को विशेष समुदाय के युवकों ने मारपीट कर दी थी। इसके बाद हंगामा मच गया था। दो समुदाय के लोग सड़क पर आमने-सामने आ गए थे। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। रात में संघ प्रचारक से मारपीट के विरोध में लोगों ने थाने का घेराव कर दिया। जिन युवकों ने जिला प्रचारक के साथ मारपीट की, उनके घरों के सामने भी लोग जमा हो गए। प्रदर्शनकारी आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। थाने के सामने तोड़फोड़ भी की। घटना की सूचना मिलने पर बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी और एएसपी कमला जोशी भी मुलताई पहुंचे। पांढुर्णा से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया।

देशभर में एसआईआर करवाएगा चुनाव आयोग

पहले फेज में बंगाल,असम समेत 5 राज्य,इनमें अगले साल विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर 2025। चुनाव आयोग बिहार के बाद अब देशभर में फेजवाइज स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) करवाएगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई को चुनाव आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। देश में एसआईआरकी शुरुआत उन राज्यों से होगी, जहां अगले साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में पहले फेज में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट का वेरिफिकेशन होगा। दरअसल, चुनाव आयोग एसआईआरके तहत वोटर लिस्ट की जांच करता है। आयोग के अनुसार, इसका उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट करना और अवैध मतदाताओं, जैसे विदेशी नागरिकों, मृत व्यक्तियों या स्थानांतरित लोगों को हटाना है।

सभी राज्यों में एसआईआरपर काम चल रहा

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 6 अक्टूबर को कहा था कि सभी राज्यों में एसआईआरशुरू करने का काम चल रहा है। इसके रोलआउट पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग लेगा। तीनों आयुक्त राज्यों के लिए एसआईआरशुरू करने की तारीखों पर फैसला लेने के लिए मिलेंगे। बिहार विधानसभा चुनावों की घोषणा करते हुए सीईसी कुमार ने 24 जून को बिहार एसआईआरशुरू करते समय अखिल भारतीय एसआईआरकी योजना की घोषणा की थी।

इन राज्यों में शुरू हो सकती है एसआईआर की प्रक्रिया

गौरतलब है कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन पांच राज्यों के अलावा पहले चरण में कुछ अन्य राज्यों में भी एसआईआरकी प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। बिहार में एसआईआर का काम पूरा हो गया है, जहां 30 सितंबर को लगभग 7.42 करोड़ नामों वाली अंतिम सूची प्रकाशित की गई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि सभी राज्यों में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण शुरू करने का काम चल रहा है और इसे शुरू करने पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग द्वारा लिया जाएगा।

बड़े शिखर सम्मेलन से पहले देश की छवि खराब करने में जुट जाती है कांग्रेस:जयराम

नई दिल्ली,10 अक्टूबर 2025। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश पर हमला बोला। पार्टी ने कहा कि देश में जब भी कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होने वाला होता है, तब वे देश की छवि खराब करने में जुट जाते हैं। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में सांसद एवं प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस सूचना युद्ध में पाकिस्तान को ऑक्सीजन देने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि रूस-पाकिस्तान रक्षा सौदे को लेकर जयराम रमेश ने एक बड़ा ट्वीट किया जो बड़े अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलनों से पहले भारत की छवि खराब करने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा था। संबित पात्रा ने कहा कि 4 अक्टूबर को, जयराम रमेश ने एक ट्वीट पोस्ट किया था, इसके जरिए कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को घेरने की कोशिश की और यह बताने की कोशिश की कि रूस

और पाकिस्तान के बीच एक समझौता हो गया है, जिसके तहत रूस पाकिस्तान को मिलने वाले चीन में निर्मित जेफ-17 लड़ाकू विमानों के लिए इंजन की सप्लाई करेगा। रूस ने पाकिस्तान के साथ ऐसे किसी भी समझौते से साफ इनकार किया है। इस दावे को आधारहीन और फर्जी बताया है। रूस ने यह साफ कर दिया है कि रूस और पाकिस्तान के बीच ऐसा कोई समझौता नहीं हो रहा है। यह आधारहीन और फर्जी है। देश में जी20 या किसी भी बड़े शिखर सम्मेलन से पहले, कांग्रेस निश्चित रूप से ऐसी चीजें करती है।

एडीजीपी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित

चंडीगढ़,10 अक्टूबर 2025। हरियाणा के एडीजीपी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी)करेगा। चंडीगढ़ के डीजीपी ने शुक्रवार की शाम आईजी की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन कर दिया है। वाई पूरन कुमार ने सात अक्टूबर को आत्महत्या की थी लेकिन अभी तक उनका पोस्टमार्टम नहीं हुआ है। चंडीगढ़ पुलिस की ओर से गुरुवार की देर रात एफआईआर दर्ज करके अमनीत पी. कुमार को उसकी कॉपी दी गई। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने एफआईआर पर आपत्ति जतायी। शुक्रवार को हरियाणा के मुख्य सचिव, गृह सचिव समेत कई आईएएस व आईपीएस अधिकारी अमनीत पी कुमार से मिले। दोपहर बाद हरियाणा के आईएएस डी.सुरेश के नेतृत्व में दलित प्रतिनिधियों का एक शिष्टमंडल चंडीगढ़ के डीजीपी सागरप्रीत हुड्डा से मिला। डी.सुरेश ने बताया कि उन्होंने चंडीगढ़ के डीजीपी से इस मामले की निष्पक्ष जांच करने तथा हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर व रोहतक के एसपी नरेंद्र

बिजरानिया को गिरफ्तार करने की मांग की है। डी.सुरेश की इस मुलाकात के कुछ समय बाद चंडीगढ़ पुलिस ने एक एसआईटी के गठन का ऐलान कर दिया। आईजी पुष्पेंद्र कुमार के नेतृत्व में गठित की गई एसआईटी में चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर, एसपी सिटी केएम प्रियंका, चरनजीत सिंह विर्क डीएसपी ट्रैफिक, एसडीपीओ साउथ गुरजीत कौर तथा सेक्टर-11 के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जयवीर सिंह राणा को शामिल किया गया है।

एसआईटी का गठन करने के साथ ही चंडीगढ़ पुलिस ने अमनीत पी कुमार की मांग को पूरा करते हुए उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी है। अमनीत पी कुमार के सेक्टर-24 आवास के बाहर अस्थाई चैक पोस्ट स्थापित कर दी है।

घुसपैठियों का पता लगाकर उन्हें देश से बाहर करेंगे : अमित शाह

हर किसी को आने दें तो हमारा देश धर्मशाला बन जाएगा,वोट अधिकार केवल नागरिक को

नई दिल्ली,10 अक्टूबर 2025। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि अगर दुनिया में कोई भी व्यक्ति जो भारत आना चाहता है, उसे आने दिया जाए,तो हमारा देश एक धर्मशाला बन जाएगा। शाह ने कहा कि घुसपैठ को राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्हें राजनीतिक संरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए। हम घुसपैठियों का पता लगाएंगे और उन्हें देश से बाहर करेंगे। भाजपा ने डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट के सूत्र को 1950 के दशक से स्वीकार किया है। हम घुसपैठियों को डिटेक्ट भी करेंगे, वोटर लिस्ट से डिलीट भी करेंगे, और इस देश से डिपोर्ट भी करेंगे। एक मीडिया हाउस के कार्यक्रम में शाह ने कहा कि घुसपैठिये कौन हैं जिन पर धार्मिक प्रताड़ना नहीं हुई और आर्थिक कारणों या अन्य कारणों से अवैध तरीके से भारत आना चाहते हैं, वे घुसपैठिये हैं।

एसआईआरको राजनीतिक नजरिए से न देखें...

शाह ने कहा कि घुसपैठ और चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन को राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक राष्ट्रीय मुद्दा है। किसी को भी एसआईआर प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए,क्योंकि यह चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। वोटर लिस्ट में शामिल घुसपैठिए देश की राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बन जाते हैं,यह संविधान की भावना को दूषित करने जैसा है। वोट का अधिकार केवल उन लोगों को मिलना चाहिए जो इस देश के नागरिक हैं।

शाह ने ये भी कहा

- कांग्रेस एसआईआरके मुद्दे पर इनकार की मुद्रा में चली गई है। जबकि यह कवायद उनकी सरकार के दौरान भी हुई थी।
- विपक्ष अपनी मनमानी कर रहा है क्योंकि उनके वोट बैंक कट रहे हैं। मतदाता सूची को साफ करना चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। अगर आपको कोई समस्या है तो आप कोर्ट जा सकते हैं।
- जब तक मतदाता सूची मतदाता की परिभाषा के अनुसार नहीं होगी, तब तक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते।
- मैं देश के सभी नागरिकों से पूछना चाहता हूं कि देश के प्रधानमंत्री कौन होंगे, मुख्यमंत्री कौन होंगे,इसका फैसला देश के नागरिकों के अलावा किसी और को करने का अधिकार होना चाहिए क्या।

संपादकीय

रिश्तों में नई ऊर्जा

ऐसे वक्त में जब अमेरिका ने निरंकुश टैरिफ थोपने व भारत के हितों पर कुठाराघात की नीति अख्तियार की हुई है,ब्रिटेन के साथ रक्षा व कारोबारी रिश्तों में नई शुरुआत उम्मीद जगाने वाली है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते का सिरे चढ़ना दोनों पक्षों के हित में बताया जा रहा है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा को नई दिल्ली और लंदन के संबंधों में एक नये सिरे से बदलाव का प्रतीक बताया जा रहा है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के प्रतीकात्मक और व्यावहारिकता की दृष्टि से गहरे निहितार्थ हैं। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण समझौते इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हैं। जिसमें 468 मिलियन डॉलर का मिसाइल सौदा,मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये प्रतिबद्धता तथा भारत में नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय खोलने पर सहमत होना शामिल है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि इस रिश्ते में 'एक नई ऊर्जा है',जो व्यापार,प्रौद्योगिकी और प्रतिभा का समन्वय चाहती है। हालांकि,मुक्त व्यापार समझौते का मूल्यांकन, इसके प्रतीकात्मक मूल्य के बजाय इसके वास्तविक आर्थिक प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए। मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन के बाद भारत के लिये ब्रिटिश बाजार तक भारतीय कपड़ों, दवा और सेवाओं,विशेष रूप से आईटी और फिनटेक के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को लेकर कुछ चिंताएं भी मौजूद हैं। मसलन छोटे और मध्यम उद्यमों के सामने सस्ते ब्रिटिश आयातों से कमजोर होने या नियामक विषमताओं का सामना करने की आशंका बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं है कि एफटीए के फलस्वरूप,ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन के लिये, भारत एक अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच विकास का एक लाभप्रद अवसर और एक स्थिर अर्थव्यवस्था वाला मजबूत साझेदार का मिलना है। लेकिन इसके बावजूद मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन में भारतीय हितों की रक्षा के लिये सतर्क पहल की जरूरत भी महसूस की जा रही है।

वैसे यह भी तथ्य है कि अनुसंधान,डिजिटल नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में पारस्परिक निवेश की कसौटी पर ही दोनों देशों के रिश्तों की असली परीक्षा होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय पेशेवरों या छात्रों के लिए वीजा मानदंडों में ढील देने से स्टारमर का स्पष्ट इनकार करना इस बहुप्रचारित साझेदारी की सार्थकता को लेकर सवाल पैदा कर सकता है। यह विडंबना ही है कि ब्रिटेन कुछ मुद्दों को लेकर दोहरा मापदंड अपना रहा है। एक ओर ब्रिटेन जहां भारतीय बाजार में अपनी पहुंच बनाना और साथ ही तकनीकी सहयोग तो पाना चाहता है,लेकिन वहीं वह श्रम की गतिशीलता को लेकर सतर्क बना हुआ है,जो कि ब्रिटेन के साथ भारत के आर्थिक और शैक्षिक जुड़ाव का एक केंद्रीय मुद्दा बना रहा है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि यदि प्रतिभाओं का आदान-प्रदान एकतरफा ही रहेगा तो पारस्परिक लाभ पर साझेदारी फल-फूल नहीं सकती। निर्विवाद रूप से यह तथ्य तार्किक है कि मुक्त व्यापार समझौते की राह अभी भी बाधाओं से पूरी तरह से मुक्त नहीं हो पायी है। उल्लेखनीय है कि टैरिफ,बौद्धिक संपदा और श्रम गतिशीलता के मुद्दे पर मतभेद अभी भी बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर मूल्य आधारित कूटनीति पर भारतीय प्राथमिकता को लेकर दोनों देशों में मतभेद सामने आ सकते हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि दोनों पक्षों को पुरानी कसक से प्रेरित कूटनीति से आगे बढ़ने की जरूरत होगी। निर्विवाद रूप से विशेष संबंध औपनिवेशिक हैंगओवर या प्रवासी भावना पर आधारित नहीं हो सकते। इस साझेदारी का वायदा एक ऐसे सतत सहयोग के निर्माण में निहित है, जिसमें दोनों देशों के आम नागरिकों को वास्तविक लाभ मिल सके।

अंकुरम् गर्भ में संस्कार की पाठशाला का अनूठा अभियान

भारतीय परंपरा में,गर्भावस्था को कभी भी केवल एक जैविक प्रक्रिया के रूप में नहीं,बल्कि एक पवित्र आध्यात्मिक तपस्या के रूप में देखा गया है। यह लंबे समय से माना जाता रहा है कि बच्चे का चरित्र निर्माण जन्म के समय नहीं, बल्कि गर्भाधान के क्षण से ही शुरू हो जाता है। माँ का गर्भ जीवन की प्रथम पाठशाला है। व्यास,चरक,सुश्रुत और मनु जैसे प्राचीन ऋषियों और उपनिषदों ने गर्भावस्था के दौरान की स्थितियों के महत्व पर बल दिया है। गर्भ संस्कार का शाब्दिक अर्थ है,गर्भस्थ शिशु के शरीर,मन और आत्मा का शुद्ध,सकारात्मक और रचनात्मक ऊर्जा से पोषण करना। गर्भ उपनिषद में कहा गया है कि गर्भवती स्त्री के भाव,विचार,आहार और वातावरण शिशु के मानसिक और भावनात्मक विकास को सीधे प्रभावित करते हैं। इसलिए,उसे 'चेतन रचनाकार' कहा गया है। महाभारत में इसके ज्वलंत उदाहरण मिलते हैं-जब कुंती ने अपने प्रत्येक पुत्र को गर्भ धारण करने से पहले दिव्य मंत्रों का जाप किया, तो उस समय उनकी मानसिक स्थिति ने उनके गुणों को आकार दिया। इसी प्रकार,अभिमन्यु द्वारा अपनी माता सुभद्रा के गर्भ में चक्रव्यूह का रहस्य जानने की कथा गर्भ संस्कार की वैज्ञानिक गहराई को दर्शाती है।

ललित गर्ग

मानव जीवन की सबसे गहरी जड़ें गर्भ में होती हैं। यह वह प्रथम और सबसे पवित्र पाठशाला है जहाँ न केवल शरीर, बल्कि मनुष्य की चेतना,मूल्य और विचार भी आकार लेते हैं। इस गहन सत्य को आचार्य श्री महाश्रमण की पावन उपस्थिति में अहमदाबाद के कोबा स्थित तेरापंथ सभा भवन में शुरू की गई एक ऐतिहासिक पहल में जीवंत अभिव्यक्ति मिली। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने एक प्रेरक अभियान - 'अंकुरम गर्भ संस्कारः भावी जीवन की नींव' का उद्घाटन किया। श्री पंकज मोदी की गरिमामयी उपस्थिति ने इस अवसर की पवित्रता और सौहार्द को और बढ़ा दिया। इस संपूर्ण परियोजना की परिकल्पना आचार्य श्री महाश्रमण की है, जिन्होंने अपने प्रवचन में इस बात पर ज़ोर दिया कि गर्भ केवल भौतिक सृजन का केंद्र नहीं हैयह मानसिक और आध्यात्मिक मूल्यों का उद्गम है। यदि माता का मन शांत,शुद्ध और सकारात्मक है, तो वही स्पंदन शिशु के संस्कार बन जाते हैं और उसके जीवन को आकार देते हैं। उन्होंने कहा कि अंकुरम गर्भ संस्कार आंदोलन इस पवित्र दर्शन पर आधारित एक उज्जवल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है।' अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा के नेतृत्व में, इस अभियान का उद्देश्य मातृत्व को एक नई दिशा देना है। उनके शब्दों में,एक माँ केवल एक जीवन का निर्माण नहीं करती - वह एक युग का निर्माण करती है। उसके विचार,भावनाएँ और कर्म आने वाली पीढ़ियों की दिशा निर्धारित करते हैं। मातृत्व के आध्यात्मिक अनुशासन के माध्यम से, हम सद्गुणों के बीज बोते हैं। अंकुरम एक मूल्य-उन्मुख आंदोलन है जो गर्भ से ही करुणा, शांति, संयम और सकारात्मकता का पोषण करने का प्रयास करता है। यह पहल मातृत्व को एक आध्यात्मिक साधना में बदल देती है,जहाँ प्रत्येक माँ भावना, प्रार्थना, संगीत,ध्यान और प्रेम के माध्यम से अपने अजन्मे बच्चे से जुड़ती है।

आधुनिक विज्ञान अब इस बात की पुष्टि करता है कि शिशु के मस्तिष्क का लगभग अस्सी प्रतिशत विकास गर्भ में ही होता है। गर्भ एक निष्क्रिय भौतिक स्थान नहीं है,यह ऊर्जा और बुद्धि का एक गतिशील केंद्र है जो शिशु के भावी व्यक्तित्व को आकार देता है। इस अवधारणा को व्यावहारिक बनाने के लिए, अंकुरम कार्यक्रम गर्भवती माताओं को सशक्त बनाने हेतु एक व्यापक प्रशिक्षण मॉडल प्रस्तुत करता है। यह प्रशिक्षण गर्भ संस्कार के पीछे के प्राचीन विज्ञान, शिशु की शारीरिक,बौद्धिक,भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धि के सचेतन विकास, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के रख-रखाव और ध्यान,मंत्रोच्चार,शास्त्र वाचन और सेवा गतिविधियों के माध्यम से भावनात्मक और आध्यात्मिक सामंजस्य के विकास को शामिल करता है। इस कार्यक्रम में दिव्य प्रसव और माताओं एवं नवजात शिशुओं की प्रसवोत्तर देखभाल के लिए मार्गदर्शन भी शामिल है। गर्भ संस्कार अकादमी की संस्थापक डॉ. सोनल जैन जायसवाल इस दृष्टिकोण को उल्लेखनीय समर्पण के साथ साकार करने का नेतृत्व कर रही हैं। अंकुरम का दार्शनिक आधार आचार्य श्री महाप्रज्ञ के प्रेक्षाध्यान में निहित है,जिसने यह स्थापित किया कि ध्यान केवल तपस्वियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के सभी चरणों के लिए सर्वोच्च औषधि है। इसका मूल संदेश-बोध करो, जानो और रूपांतरित करो, यहाँ अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। जब एक माँ ध्यान करती है, तो उसकी उन्नत चेतना उसके अजन्मे बच्चे की चेतना को प्रकाशित करती है। आचार्य महाप्रज्ञ कहा करते थे,गर्भ ध्यान का प्रथम मंदिर है। वहाँ उत्पन्न स्पंदन जीवन भर बच्चे के व्यक्तित्व को प्रभावित करते हैं। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, आचार्य श्री महाश्रमण ने इस संस्कार को आधुनिक संदर्भ में विस्तारित किया है,और कहा है कि भय,अशांति और तनाव से ग्रस्त इस विश्व में,गर्भ संस्कार जैसी पहल मानवता को स्थायी शांति और मूल्यों की ओर ले जा सकती है। मातृत्व स्वयं एक पवित्र तपस्या है, और अंकुरम उस तपस्या को चेतना के उत्सव में बदल देता है। अंकुरम गर्भ संस्कार योग,ध्यान और आधुनिक विज्ञान का सुंदर समन्वय करता है। यह इस समझ पर आधारित है कि एक माँ के विचारों और भावनाओं का गर्भस्थ शिशु पर सीधा प्रभाव पड़ता है। योग, प्राणायाम और प्रेक्षा तकनीकों के माध्यम से,गर्भवती माताएँ शांत, संतुलित और आनंदित रहना सीखती हैं, जिससे शांत,स्वस्थ और मूल्य-उन्मुख बच्चे जन्मते हैं। जैसाकि सुमन नाहटा बताती हैं,अंकुरम एक प्रशिक्षण प्रक्रिया है जो भावी माताओं को गर्भावस्था को एक आध्यात्मिक साधना में बदलना सिखाती है ताकि प्रत्येक जन्म के साथ, मूल्यों का एक नया सूर्योदय धरती पर उदित हो। यह पहल माताओं से आगे बढ़कर एक राष्ट्र-निर्माण आंदोलन है। एक मूल्य-उन्मुख पीढ़ी ही एक सशक्त समाज और एक शांतिपूर्ण विश्व की सच्ची नींव है। इस प्रकार, अंकुरम गर्भ संस्कार केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं,बल्कि धर्म,विज्ञान,

मनोविज्ञान और संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने वाला एक आध्यात्मिक आंदोलन है। आचार्य श्री महाश्रमण ने ठीक ही कहा है कि संस्कार बचपन में नहीं,बल्कि गर्भ में ही शुरू हो जाते हैं। एक माँ जो सजगता, करुणा और संयम के साथ जीवन जीती है, वह एक ऐसे बच्चे को जन्म देती है जो समाज में प्रकाश फैलाता है। अंकुरम के माध्यम से, हम एक सुसंस्कृत भारत की नींव रख रहे हैं। सुसंस्कृत मातृत्व सुसंस्कृत मानवता की ओर पहला कदम है। बीज से वृक्ष तक,यह पहल एक नई मानवता के पोषण की प्रयोगशाला है। इसे भारत के उन्नीस राज्यों के साथ-साथ नेपाल और भूटान में तेरापंथ महिला मंडलों की पाँच सौ पचास शाखाओं में सत्तर हज़ार से ज्यादा महिलाओं द्वारा क्रियान्वित किया जायेगा। अंकुरम गर्भ संस्कार मातृत्व को एक ध्यानपूर्ण यात्रा में बदल देगा-जहां माँ और बच्चे के बीच एक मौन संवाद, जो शब्दों में नहीं, बल्कि भावनाओं के माध्यम से व्यक्त होगा। यह धर्म,योग और शांति का संवाद है। यह पहल एक नई चेतना जगाती है कि अगर हम गर्भ से ही मूल्य-निर्माण शुरू कर दें,तो हम दुनिया से हिंसा,बेचैनी और नैतिक पतन को मिटा सकते हैं। जैसाकि आचार्य महाप्रज्ञ ने बहुत खूबसूरती से कहा है, 'जब एक माँ ध्यान में प्रवेश करती है, तो मानवता का भविष्य प्रार्थनापूर्ण हो जाता है।' भारतीय चिंतन में, मातृत्व को हमेशा से ही सर्वोच्च देवत्व-जननी, धात्री, अन्नपूर्णा और भूमिका देवी के रूप में पूजनीय माना गया है। माँ की गोद मूल्यों का सबसे बड़ा पवित्र स्थान है। हमारे महाकाव्य,रामायण और महाभारत,मातृ कृपा के अनगिनत आदर्शों को दर्शाते हैं- कौशल्या की कोमलता,सीता का साहस, कुंती का धैर्य और गार्गी-मैत्रेयी का ज्ञान। भारतीय संस्कृति में मातृत्व केवल एक रिश्ता नहीं है,यह एक आध्यात्मिक शक्ति, एक पवित्र ऊर्जा और समस्त सृष्टि का स्रोत है। गर्भ एक दिव्य प्रयोगशाला है जहाँ न केवल शरीर,बल्कि मानवता की आत्मा और मूल्यों का भी निर्माण होता है। तनाव, प्रतिस्पर्धा और कृत्रिमता से ग्रस्त आज के भौतिकवादी संसार में,गर्भ संस्कार का पुनरुत्थान मानवता की जड़ों को एक बार फिर पोषित करने का मार्ग प्रस्तुत करता है। वैज्ञानिक अध्ययन अब इस बात की पुष्टि करते हैं कि एक माँ की मानसिक शांति,ध्यान,संगीत,योग और संतुलित आहार का अजन्मे बच्चे की बुद्धि, स्वास्थ्य और व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अंततः, अंकुरम का संदेश शाश्वत है...केवल सुसंस्कृत माताएँ ही सुसंस्कृत संतान को जन्म दे सकती हैं और ऐसी संतानें स्वर्ण युग की नींव रखेंगी।

समाज में परिवर्तन की वाहक बने बालिकाएं

रमेश सर्राफ धमोरा

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन दिवस है। 11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 11 अक्टूबर को पूरी दुनियां में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर सामना की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा,पोषण,कानूनी अधिकार,चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा,महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम है मैं लड़की हूं,मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं। संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां। यह थीम संकट की परिस्थितियों में लड़कियों की दृढ़ता,नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है। यह थीम उन चुनौतियों पर प्रकाश डालती है जिनका सामना बालिकाएं करती हैं। जैसे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएं। यह थीम बालिकाओं को केवल संकट के शिकार के रूप में नहीं बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने पर जोर देती है। यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे बेहतर और समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है। भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2023-24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया। हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है। अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है। आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली,आज्ञाकारी,मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियां अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं। एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेडिये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं। समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना।

कविता

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,शिवरीनारायण
(छ.ग.)

माँ तेरी महिमा महान है...

माँ तेरी महिमा महान है,तू ही ममता की खान है
यह जग भले ही ठुकरा दे,पर रहता तेरा ध्यान है।
माँ के लिए न कोई छोटा है न बड़ा, सब समान है
जो झुके हैं माँ के दर पर,उसको मिलता वरदान है।

माँ तो आखिर माँ है,माँ का सबसे ऊंचा स्थान है
जो देखे मूरत मे माँ को वही भक्त सच्चा इंसान है।
जो माँ को न समझे वो तो नासमझ और नादान है
माँ की मूरत से,माँ की ममता में,रिझते भगवान है।

झुकाले माँ के चरणों में शीश मिलेंगे चारो धाम है
भगवान का दुसरा स्वरूप होता माँ का ही नाम है।
इस जहां में कहीं कुछ नही,सिर्फ माँ अभिराम है
माँ में ही सब कुछ उसी,मिलता सुख अविराम है।

सुविचार

बाज़ार के जहरीले आईने-जब लोग उपभोक्ता बन जाते हैं,इंसान नहीं

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का समाज उपभोक्ता संस्कृति का गुलाम बन चुका है। लोग जरूरत के लिए नहीं, बल्कि दिखावे के लिए चीजें खरीद रहे हैं। मोबाइल फोन से लेकर कपड़ों तक, हर वस्तु अब पहचान और प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गई है। लोग क्या कहेंगे के डर में लोग कर्ज में डूबते जा रहे हैं। असली जरूरतें पीछे छूटती जा रही हैं और कृत्रिम इच्छाएं आगे बढ़ रही हैं। उपभोक्तावाद का यह जाल धीरे-धीरे इंसान की आत्मा को खाली कर रहा है। हमारा समाज आज विकास की तेज़ रफ़्तार पर तो है, पर दिशा कहीं खो चुका है। पहले इंसान ज़रूरतों के लिए चीज़ें खरीदता था,अब चीज़ें इंसान को खरीद रही हैं। अब बाज़ार केवल सामान नहीं बेचता, वह हमारी पहचान बेचता है। यह हमें यह समझाने की कोशिश करता है कि हम कौन हैं, हमारी औक़ात क्या है, और हमारी असली कीमत कितनी है। आज हर तरफ़ एक अजीब सी होड़ है...दिखावे की,ब्रांड की और झूठे रुतबे की। लोग अब ज़िंदगी नहीं जी रहे, वे उसे प्रदर्शित कर रहे हैं। हर तस्वीर, हर पोस्ट, हर कपड़े और हर मोबाइल के पीछे एक ही सवाल छिपा होता है...लोग क्या कहेंगे? उपभोक्तावाद यानी कंज़्यूमरिज़्म ने हमारे समाज की नसों में ज़हर की तरह जगह बना ली है। पहले व्यक्ति वस्तु का उपयोग करता था,अब वस्तुएँ व्यक्ति का उपयोग कर रही हैं। ब्रांड अब हमारी ज़रूरतों के नहीं, बल्कि हमारी असुरक्षाओं के सौदागर बन गए हैं। वे हमें यह यक़ीन दिला चुके हैं कि जब तक हमारे पास महंगा मोबाइल,बड़ा घर और इंस्टाग्राम पर दिखाने लायक जीवन नहीं है, तब तक हम अधूरे हैं। कभी कहा गया था कि मनुष्य वस्तु का मालिक है पर अब वस्तुएँ मनुष्य के मन और मानसिकता की मालिक बन चुकी हैं। ऐप्पल का मोबाइल हो या महंगी कार,इनका उद्देश्य सुविधा नहीं,प्रतिष्ठा बन चुका है। लोग अब पर्दा इसलिए नहीं हटाते कि उन्हें हवा लगे, बल्कि इसलिए हटाते हैं कि तस्वीर अच्छी आए। इज़्ज़त अब चरित्र में नहीं, कैमरे की फ्रेम में दिखती है।

सोशल मीडिया इस उपभोक्ता संस्कृति का सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। पहले लोग बातें करते थे,अब पोस्ट करते हैं। पहले खुशी आती थी,अब उसे रील में एडिट किया जाता है। पहले त्यौहार मनाए जाते थे,अब दिखाए जाते हैं। हर लाइक आत्मविश्वास का मापदंड बन गया है और हर टिप्पणी आत्म-मूल्य का प्रमाण। हम खुद से कम और दूसरों की निगाह से ज़्यादा जीने लगे हैं। कपड़े ब्रांडेड हैं, पर सोच उधार की है चेहरे चमकते हैं पर दिल थके हुए हैं। एक समय था जब गाँव की औरतें पर्दे में रहकर भी मर्यादा और सम्मान की मिसाल होती थीं। आज वही परंपरा इंस्टाग्राम की चमक में खो गई है। अब पर्दा शर्म या संकोच का नहीं,बल्कि फोटोशूट का हिस्सा बन गया है। लोग कहते हैं हम तो आधुनिक हैं। पर यह आधुनिकता नहीं,मानसिक गुलामी है जहाँ दिखावा आत्म-सम्मान पर भारी पड़ता है। सोचिए,जब कोई व्यक्ति अपनी मासिक कमाई का बड़ा हिस्सा केवल इसीलिए ईएमआई में खर्च कर देता है ताकि लोग कह सकें कि उसके पास 'आइफ़ोन' है तो वह उपभोक्ता नहीं, बल्कि उपभोग का शिकार बन चुका है। फ़ोन वही काम करता है बात करना, संदेश भेजना, संपर्क बनाए रखना पर हमारे दिमाग़ ने उसे सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना लिया है। बाज़ार हमें यह नहीं बताता कि हमें क्या चाहिए, बल्कि यह तय करता है कि हमें क्या चाहना चाहिए। विज्ञापन इतने मनोवैज्ञानिक हो चुके हैं कि वे पहले हमारे भीतर कमी का एहसास जगाते हैं, फिर उसी कमी का समाधान बेचते हैं।

नीतीश कुमार की जीत क्या पक्की समझें?

संजय गोस्वामी

बिहार चुनाव लेकर जो खबरें मिल रही है उसमें पुनः महागठबंधन गलती पर गलती कर रही है और हर घर में नौकरी का वादा तेजस्वी यादव कर रहे है प्रशांत किशोर टी वी और सुर्खियों में बने हुए हैं नौकरी देना हर घर में किस आधार पर मिलेगा क्योंकि नौकरी के लिए पढ़ाई करना जरुरी है नौकरी किस तरह का होगा ऐ भी घोषणा करना चाहिए क्योंकि शिक्षा ही आपकी नौकरी को सुनिश्चित करती है अतः पहले शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए वहाँ अधिकांश नौकरी शिक्षक की होती है अगर शिक्षा में पूर्ण पारंगत नहीं है तो शिक्षक क्या पढ़ाएंगे अतः बेरोजगार को नौकरी मिलना अच्छी बात है लेकिन नौकरी किस पद की मिलेगी क्योंकि हर घर से टैलेंटेड कैंडिडेट तो होंगे नहीं और जो टैलेंटेड नहीं है उसे किस पद पर नौकरी मिलेगी नीतीश कुमार जीत की बुनियाद लिख चुके हैं क्योंकि वो चुपचाप अपना काम कर रहें हैं उनका काम शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर और महिलाओ के लिए एक अच्छा काम हुआ है भाई वो एक इंजीनियर हैं उनको नॉलेज है कहाँ क्या करना है पटना में किसी से पूछ लीजिये एक मरीन ड्राइव पटना में भी बना है इतना आसान नहीं है रास्ते को तोड़ कर वहाँ पुल का निर्माण करवाना इसलिए उनको सुशासन बाबू कहा जाता है महागठबंधन में कई ऐसे दल हैं जो माओवादी विचारधारा के हैं उनका सरकार में क्या भूमिका होगी इधर एनडीए में बीजेपी और जेडीयू के साथ मिली है तो 150 सीट तक आराम से प्राप्त कर लेगी इधर कुछ सालों में ऐसी स्थिति हुई है जो जनता को मालूम है लेकिन मीडिया को नहीं जहाँ मेरा गाँव था वहाँ पैदल पहुंचना एक कठिन चुनौती थी वहाँ कार चली गई गावों में बिजली और महिलाओ को बड़ी संख्या में नौकरी मिली है इधर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और उत्तर प्रदेश की चार बार की मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को लखनऊ में बसपा संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित विशाल रैली को संबोधित किया और समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने स्मारक स्थलों के रखरखाव के लिए टिकट से मिली राशि का सही उपयोग किया बसपा सुप्रीमो मायावती को कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर बीजेपी की तारीफ करना भी बिहार चुनाव में महागठबंधन के लिए बुरी खबर है और इससे वहाँ के कांग्रेस नेता अजय राय ने कहा कि संविधान की रक्षा हमेशा कांग्रेस ने की है। राहुल गांधी ने संविधान को आम आदमी,गरीब और खासकर दलित समाज के हित में लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मायावती का दलित प्रेम केवल दिखावा है और उनका काम हमेशा दलितों को ठगने तक सीमित रहा है। अजय राय ने कहा कि मायावती की रैली भाजपा द्वारा प्रायोजित है। यह रैली यूपी चुनाव के लिए नहीं बल्कि बिहार चुनाव के लिए आयोजित की गई है,ताकि बीजेपी को लाभ पहुंच सके। अजय राय ने मायावती पर यह भी आरोप लगाया कि मायावती दलित-मुस्लिम विरोधी हैं और भाजपा के कहने पर काम कर रही हैं,जबकि बिहार में दलित कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के साथ खड़ा हो गया है जहाँ इस मुद्दे पर चुप रहना चाहिए तो मुँह खोलने से और भी विवाद बढ़ेगा क्योंकि बसपा की सुप्रीमो मायावती के बयान के कुछ मायने हैं एक समय उप्र में मुख्यमंत्री भी रही है अब इस मुद्दे को योगीजी बिहार के चुनाव में याद दिलाएंगे और उप्र और बिहार में आधे से अधिक लोगों का पारिवारिक संबंध है और ऐ सब जंगल राज के वजह से हुआ टैलेंट जिसमें था वो जंगलराज में बिना पैसे या राजनीति सम्बन्ध ना होने के कारण बाहर बाहर निकलें और वहाँ उनको नौकरी मिली और जो महिला वहाँ थी उसने बिहार का हाल देखकर जंगलराज के डर से उप्र में शादी हुआ अतः मायावती के जो विचार थे उसमें सच्चाई भी होगी तभी उसने कहा होगा और बीजेपी को इसका फायदा बिहार चुनाव में अवश्य मिलेगा नीतीश कुमार का 2020 में उनका सामना उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी और एलजेपी से हुआ जिसमें कई सीटों पर नुकसान हुआ अतः बिहार में एनडीए में जब चिराग पासवान केंद्रीय मंत्री हैं तो वो भी सोच समझ कर ही निर्णय लेंगे और जितनराम मांझी जी भी इस उम्र में भी केंद्रीय मंत्री हैं और राज्य में उनका पुत्र भी मंत्री है अतः वो भी कुछ कम सीटे ही सही लेकिन मान जायेंगे क्योंकि वो अब अपने लड़का को आगे करना चाहेंगे अतः बिहार में ऐ कहना क़ोई बूढ़ा हो गया है शासन नहीं चला सकता ऐ ठीक नहीं है आखिर इतने उम्र में भी जीतनराम मांझी का जनाधार कम नहीं हुआ है ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर आयोजित जागरूकता एवं टीकाकरण शिविर

जाँच,इलाज और रोकथाम ही बचाव का एकमात्र रास्ता,10 से 17 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है जन-जागरूकता सप्ताह

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे रजत जयंती महोत्सव के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर सरगुजा जिले के शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नावापारा,अम्बिकापुर में वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण एवं टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर हेपेटाइटिस की जाँच कराई एवं निःशुल्क टीकाकरण का लाभ उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत,सभापति श्री हरमिन्दर सिंह, पार्षदगण,जनप्रतिनिधि एवं आमजन की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

रजत जयंती महोत्सव में स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष फोकस

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी एस मार्को ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर 10 से 17 अक्टूबर 2025 तक पूरे जिले में स्वास्थ्य संबंधी जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें टी.बी. मरीजों की स्क्रीनिंग,हेपेटाइटिस नियंत्रण,मानसिक स्वास्थ्य, बालिका दिवस,अंधत्व निवारण, गैर-संचारी रोग रोकथाम, टीकाकरण, अंगदान,ब्लड बैंक एवं नशा मुक्ति जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

सभापति श्री हरमिन्दर सिंह ने दी जागरूकता की अपील : निगम सभापति श्री हरमिन्दर सिंह ने कहा कि हेपेटाइटिस बी और सी जैसे वायरल संक्रमण शरीर को बिना किसी लक्षण के नुकसान पहुंचाते रहते हैं, इसलिए इसे खामोश हत्यारा भी कहा जाता है। उन्होंने आम जनता से आग्रह किया कि वे समय-समय पर जांच कराएं,संक्रमण से बचाव हेतु टीकाकरण अवश्य कराएं और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

मंजूषा भगत ने किया टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के 25वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित यह रजत जयंती महोत्सव जनता के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित यह विशेष शिविर न केवल हेपेटाइटिस की रोकथाम में सहायक होगा, बल्कि आम जनता को जाँच, इलाज और रोकथाम के महत्व से भी परिचित कराएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने निकटतम आंगनबाड़ी सहायिका, मितानिन दीदी या एएनएम से संपर्क कर निःशुल्क टीकाकरण कराएं और अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

जांच और उपचार ही है बचाव का रास्ता

कार्यक्रम में डॉ. राजेश भजगावली ने जानकारी दी कि हेपेटाइटिस ए और बी के खिलाफ प्रभावी टीके उपलब्ध हैं। सरकार द्वारा सभी नवजात शिशुओं को जन्म के तुरंत बाद हेपेटाइटिस बी का टीका लगाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि हेपेटाइटिस सी का इलाज अब अत्यंत प्रभावी एंटीवायरल दवाओं से संभव है, जबकि हेपेटाइटिस बी को भी नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय पर जाँच, सुरक्षित यौन संबंध, स्वच्छ पानी-भोजन का सेवन और जीवाणुरहित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग हेपेटाइटिस के संक्रमण को रोकने में अत्यंत प्रभावी हैं। इस दौरान डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता, डीपीएम डॉ. पुष्पेन्द्र राम, संस्था प्रभारी डॉ. शीला नेताम, सीपीएम डॉ. सीता तिग्गा, डॉ. वर्षा शर्मा, श्रीमती रूबी सोनी, श्री धनेश प्रताप सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

उदयपुर वन परिक्षेत्र में फिर बढ़ा हाथियों का आतंक,ग्रामीणों में दहशत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के उदयपुर वन परिक्षेत्र में हाथियों का आतंक एक बार फिर सिर उठाने लगा है। बीते एक सप्ताह से 25 हाथियों का बड़ा दल इलाके के विभिन्न गांवों में उत्पात मचा रहा है, जिससे ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, वहीं कई घर भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 13 हाथियों का एक दल लखनपुर वन परिक्षेत्र के घटोन-पटकुरा मार्ग से होते हुए केदमा सर्किल पहुंचा। इस दल ने रास्ते में दर्जनों किसानों की करीब 20 एकड़ फसल रौंद डाली। धान, मक्का और सब्जी की फसल को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा है। वहीं,12 हाथियों का एक अन्य दल सूरजपुर की ओर से डांड गांव सर्किल में दाखिल हुआ। इस दल ने लगभग आधा दर्जन मकानों को

नुकसान पहुंचाया और खेतों में खड़ी फसल को बर्बाद कर दिया। वन विभाग ने हाथियों की निगरानी और नियंत्रण के लिए विशेष टीम गठित की है। रेंजर कमलेश राय के नेतृत्व में विभागीय अमला लगातार इलाके में गश्त कर रहा है और ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों को सतर्क रहने,समूह में चलने और रात्रि समय खेतों की रखवाली न करने की सलाह दी गई है। विभाग द्वारा मुनादी, लाउडस्पीकर और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्र में हाथी-मानव संघर्ष की घटनाएं बढ़ी हैं। इन घटनाओं में अब तक आधा दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

हाल ही में खेत की रखवाली कर रहे एक बुजुर्ग दंपति पर हाथियों ने हमला कर दिया था, हालांकि वे किसी तरह जान बचाने में सफल रहे। ग्रामीणों की मांग है कि हाथियों को जल्द से जल्द आबादी वाले क्षेत्रों से हटाया जाए और उन्हें जंगल की ओर खदेड़ा जाए, ताकि फसल और जनहानि से बचाव हो सके। वन विभाग ने आश्वासन दिया है कि स्थिति पर नियंत्रण के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

कूटरचित दस्तावेज के जरिये आपराधिक षड़यंत्र कारित कर सुदखोरी करने के मामले मे 04 आरोपी गिरफ्तार

थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपियों के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मामले के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया अलका सिंह साकिन नवापारा गोधनपुर रोड थाना गांधीनगर की दिनांक 26 अगस्त 25 को थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि प्रार्थिया अपने जानपहचान की अनुपमा सिंह से उधारी में 13 लाख रूपये ली थी जिसमें 11 लाख 82 हजार रूपये वापस कर चुकी है। अब अनुपमा 10 प्रतिशत मासिक ब्याज की दर से कुल 18 लाख रूपये की मांग कर गंदी गंदी गाली देकर कर्ज ब्याज सहित वापस करने के लिए प्रताडित कर रही है,मामले मे प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 423/25 धारा 296 एवं छत्तीसगढ़ ऋणीयों का संरक्षण अधिनियम की धारा 4 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा प्रार्थिया एवं गवाहों का कथन लेख कर घटनास्थल का निरिक्षण कर मामले की जांच नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर द्वारा कर विस्तृत जाँच रिपोर्ट भेजा गया है,जांच मे पाया गया कि प्रकरण मे आरोपिया द्वारा स्वयं का 06 लाख, एवं अपने परिचित अनुज सिंह का 04 लाख,पंकज चौधरी से 10 लाख रूपये,तथा भक्कू राम मुंडा भाथुपारा से 3 लाख रुपये एवं अन्य से 3 लाख रूपये लेकर सभी का पैसा का 10 प्रतिशत मासिक ब्याज लेने के नियत से सभी मिलकर अपने पैसे का अवैध लाभ अर्जित करने के लिए ब्याज पर देने का फैसला लेकर अपराधिक षडयंत्र कर

उसी पैसा को अल्का को दिए और अवैध लाभ अर्जित कर ब्याज लेने के लिए सभी मिलकर पिडिता पर दबाव बनाने लगे। अनुपमा एवं उसके साथीयो द्वारा 13 लाख रूपये अल्का को पहले सभी का उधारी रकम देकर उसके एवज में सभी मिलकर छल पूर्वक अनुपमा के माध्यम से 3 नग हस्ताक्षरशुदा कोरा चेक अल्का एवं उसके पति का एसबीआई एवं सेंट्रल बैंक का लेकर 10 लाख लेने के बाद 10-10 लाख का रकम भरकर उसकी पुष्टी के लिए दिनांक 06/01/25 को अल्का से क्रय कराया हुआ 50 रूपये का स्टांप को धोखाधडी से अपने कब्जे में लेकर एक माह बाद उसमें अल्का की अनुपस्थिति में अपने मन से फर्जी कूटरचित अनुबुध पत्र तैयार कराकर शिकायत की गई एवं उसी तैयार का आवेदन माननीय न्यायालय में अवैध लाभ लेने के उपयोग किया गया है। जाँच पर फर्जी तरीका से कुटरचित दस्तावेज तैयार करना पाये जाने पर प्रकरण में धारा 61 (ख) 318 (4) 338, 339.3 (5) बीएनएस जोड़कर प्रकरण में आरोपीयो को तलब कर पुछताछ किया गया जो आरोपियों द्वारा अपना नाम (01) अनुपमा सिंह पिता स्व.गणेश प्रताप सिंह उम्र 45 साल साकिन पटपरिया थाना गाँधीनगर (02) पंकज चौधरी आत्मज स्व. सकलदीप चौधरी उम्र 35 साल साकिन दरीपारा थाना मणीपुर (03) भक्कु राम मुंडा पिता मोहन राम मुंडा उम्र 40 साल साकिन दरीपारा थाना मणीपुर (04) अनुज सिंह आत्मज हरि नारायण सिंह उम्र 43 साल साकिन मायापुर थाना अंबिकापुर का होना बताये,आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पुछताछ करने पर अपने मेमोरन्डम में उधारी में सभी मिलकर आपराधिक षडयंत्र कर ब्याज प्राप्त करने के लिए कोरा चेक लेकर उसमें मनमानी रकम भरकर अल्का के गैरहाजिरी में भरकर पंकज चौधरी से फर्जी कुटरचित स्टांप लिखवाकर तैयार कराकर न्यायालय में अवैध लाभ लेने के लिए परिवाद दायर किया गया है। प्रकरण में आरोपीया के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाईल स्टांप पेपर जप्त किया गया है, पंकज चौधरी द्वारा अपने मेमोरंडम में स्टाम्प लिखना स्वीकार किया गया है।

सभी आरोपियों की षड़यंत्र में संलिप्ता उजागर होती है। आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है,प्रकरण का अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है, फरार आरोपी का पता तलाश किया जा रहा है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल,उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे, महिला आरक्षक प्रिया रानी, आरक्षक अतुल शर्मा सक्रिय रहे।

मां महामाया शक्कर कारखाना केरता के प्रभारी अभियंता एसीबी के शिकंजे में,50 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

भ्रष्टाचार पर लगाम कसने एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने शुक्रवार को सूरजपुर जिले में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। मां महामाया शक्कर कारखाना, केरता के प्रभारी मुख्य अभियंता सी.आर. (चमरू) नायक को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई एसीबी की पांच सदस्यीय टीम ने सुनियोजित तरीके से की।

नौकरी से नहीं हटाने और नियमितीकरण के नाम पर मांगी रिश्वत : सूत्रों के अनुसार, कारखाने में कार्यरत संविदा ऑपरेटर प्रदीप कुमार से अभियंता नायक ने धमकाते हुए कहा था कि यदि वह 50 हजार रुपये नहीं देगा तो उसे नौकरी से हटा दिया जाएगा और नियमितीकरण की प्रक्रिया में भी उसका नाम नहीं जोड़ा जाएगा। परेशान होकर प्रदीप कुमार ने एसीबी अंबिकापुर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई।

जाल बिछाकर की गई कार्रवाई : शिकायत की पुष्टि के बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाया। निर्धारित स्थान पर जैसे ही नायक ने शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपये की राशि ग्रहण की, टीम ने तुरंत दबिश देकर उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

घर में तलाशी, दस्तावेज और मोबाइल जब्त : गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम ने नायक के सरकारी आवास पर भी छापा मारा, जहां से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और मोबाइल फोन जब्त किए गए। प्रारंभिक पूछताछ में अभियंता नायक ने रिश्वत लेने की बात स्वीकार की है। टीम ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

कारखाने में मचा हड़कंप : इस कार्रवाई के बाद महामाया शक्कर कारखाने के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि कारखाने में लंबे समय से अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही थीं। एसीबी की कार्रवाई के बाद विभाग में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के लिए की जाएगी रायशुमारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कांग्रेस के संगठनात्मक नियुक्तियों में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत शनिवार से सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के लिए रायशुमारी की जाएगी। इस रायशुमारी के लिए आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने झारखंड राज्य कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर के नेतृत्व में 4 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है, जनमे छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष धनेंद्र साहू, भानुप्रतापपुर की विधायक सावित्री मंडावी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व संगठन मंत्री अमरजीत चावला शामिल हैं। सरगुजा जिले में कांग्रेस अध्यक्ष को चुनने के लिए आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त यह टीम 11 से 14 अक्टूबर तक

जिला संगठन के साथ ही ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों का दौरा कर रायशुमारी करेगी। 11 अक्टूबर को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में प्रेसवार्ता के उपरांत समस्त जिला संगठन के साथ ही साथ ब्लॉक अध्यक्षों और स्थानीय निकाय के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ सामुहिक बैठक होगी। इसके उपरांत आईसीसी की यह टीम वन टू वन मुलाकात कर रायशुमारी करेगी। सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बनने के इच्छुक उम्मीदवारों से भी वन टू वन मुलाकात होगी। 12 से 14 अक्टूबर तक टीम ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों का दौरा कर रायशुमारी करेगी।

नये अध्यक्ष के लिए गहन चर्चा पर बल : कांग्रेस ने संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत वर्ष 2025 संगठन को मजबूत बनाने के लिए निर्धारित किया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी इस मामले में पूरे प्रदेश में अग्रणी रहा है। बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी ने समय से पूर्व मंडल अध्यक्ष और उनकी कमेटियों के गठन के साथ ही सेक्टर प्रभारी और बीएलए की नियुक्ति कर दी। सरगुजा जिले के सभी मतदान केंद्रों में सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी ने बीएलए की नियुक्ति के साथ ही निर्वाचन आयोग के निर्धारित प्रपत्र में उनकी नियुक्ति को अधिकृत भी किया है। ऐसे ही बूथ लेबल कार्यकर्ताओं को भी रायशुमारी में शामिल कर कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष नियुक्ति का लक्ष्य रखा है। आईसीसी की टीम अपने चार दिन के दौरे में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा करने के साथ ही साथ जिला संगठन, मोर्चा संगठन,विभाग,प्रकोष्ठ,ब्लॉक अध्यक्ष एवं ब्लॉक की कार्यकरणी, मंडल अध्यक्ष, बीएलए सभी से रायशुमारी करेगी।

पार्टी के अंदर की राय जानने के साथ ही साथ स्थानीय मीडिया और सामाजिक संगठनों से भी चर्चा कर उनकी राय ली जायेगी। इसके उपरांत नये जिलाध्यक्ष के लिए टीम अपनी अनुशंसा को पार्टी नेतृत्व को देगी।

घर की बाड़ी में में चोरी छिपे गांजा उगाने वाला आया पुलिस की गिरफ्त में

-संवाददाता-
कुसमी,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी थाना क्षेत्र के रहने वाले आरोपी किसुन यादव निवासी ग्राम घुईझरिया अमरपुर,थाना कुसमी,जिला बलरामपुर रामानुजगंज,गिरफ्तार कार न्यायिक रिमांड पर भेजा। जानकारी के अनुसार आरोपी किशुन कुमार यादव अपने घर के बाड़ी में चोरी छिपे मादक पदार्थ गांजा का पेड़ उगाया था, मुखबिर की सूचना पुलिस ने दबिश देकर पुलिस ने आरोपी के घर के बाड़ी से चोरी छिपे उगाए गए गांजे का पौधा जप्त कर भेजा जेल। दिनांक 09/10/25 को जरिये मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम घुईझरिया अमरपुर निवासी किसून यादव अपने घर के बाड़ी में नहानी घर के पास अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा का पौधा लगाया है। मुखबिर से प्राप्त सूचना पर गवाहों के साथ संदेही किशुन यादव निवासी घुईझरिया अमरपुर थाना कुसमी के मकान की बाड़ी को चेक किया गया। चेक करने पर किसुन यादव निवासी ग्राम घुईझरिया अमरपुर के घर के बाड़ी में प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा का 01 नग हरा पत्तेदार जड़ एवं डालयुक्त पौधा उगाया हुआ मिला। जिसपर विधिवत गांजा के पौधे की जप्ती कार्यवाही कर आरोपी किसुन यादव को हिरासत में

लिया गया। आरोपी किसुन यादव निवासी ग्राम घुईझरिया अमरपुर, थाना कुसमी, जिला बलरामपुर रामानुजगंज को आज दिनांक 10/10/2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड हेतु माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है।

नाबालिग लड़की को भगकार बलात्कार,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

नाबालिग लडक़ी को भगाकर ले जाकर उससे शादी करने का झांसा देकर बलात्कार करने के मामले में दरिमा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता मां व पिता के साथ खेत में काम कर रही थी। पीड़िता खाना खाने जा रही हूं कह कर घर जाने निकली

थी। इसके बाद उसका पता नहीं चल रहा था। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण कर लिए जाने की आशंका पर पीड़िता की मां ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किय है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

CMYK

एकलव्य विद्यालय में 38 करोड़ की लागत पर बन रहा भवन बना सवालों के घेरे में...

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने घटिया निर्माण को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन,कार्रवाई की मांग...

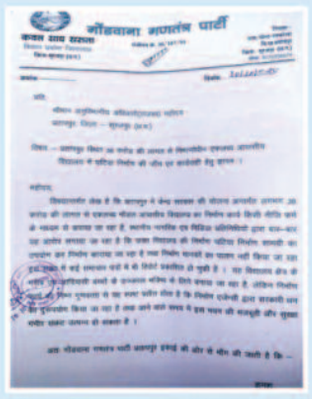

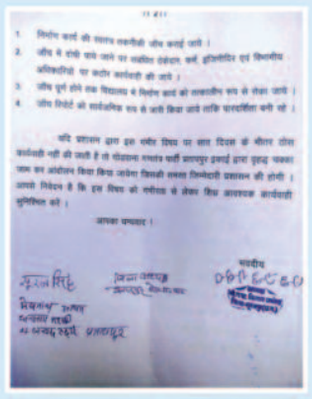

-संवाददाता-
प्रतापपुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर में केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत लगभग 38 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों,सामाजिक संगठनों और मीडिया रिपोर्टों में लगातार आरोप लगाए जा रहे हैं कि विद्यालय निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है, जिससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है, बल्कि इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान की भविष्य की संरचनात्मक सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है।

इसी गंभीर विषय को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की प्रतापपुर इकाई ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम), प्रतापपुर को एक ज्ञापन सौंपा है,जिसमें विद्यालय के निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराए जाने की मांग की गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि यह विद्यालय क्षेत्र के आदिवासी एवं गरीब बच्चों के लिए शिक्षा का एक सशक्त माध्यम बनने जा रहा है, लेकिन यदि निर्माण की गुणवत्ता इसी प्रकार संदेहास्पद बनी रही,तो यह उनके भविष्य के साथ घोर अन्याय होगा।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि निर्माण कार्य को एक निजी ठेकेदार फर्म के माध्यम से कराया जा रहा है, जो निर्माण मानकों का पालन नहीं कर रही है। इसके बावजूद विभागीय अधिकारी इस पर आंख मूंदे हुए हैं, जिससे पूरे मामले में मिलीभगत की आशंका भी जताई गई है।

जांच पूरी होने तक कार्य रोकने की मांग...

- गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने चार प्रमुख मांगें प्रशासन के समक्ष रखी हैं...
- निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी एजेंसी से जांच कराई जाए।
- दोषी ठेकेदार,इंजीनियर एवं जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।
- जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रोका जाए।
- जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किया जाए ताकि जनमानस में पारदर्शिता बनी रहे।

7 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि प्रशासन इस गंभीर विषय पर 7 दिवस के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं करता है, तो गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा वृहद चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह इस मुद्दे पर किसी प्रकार की चुप्पी या अनदेखी बर्दाश्त नहीं करेगी क्योंकि यह न केवल शैक्षणिक विकास का प्रश्न है, बल्कि आदिवासी समाज के भविष्य से सीधा जुड़ा मामला है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने भी प्रशासन से इस पर त्वरित संज्ञान लेने की अपील की है, ताकि करोड़ों की यह परियोजना भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़ जाए।

अनुशासन,सेवा और राष्ट्रप्रेम का मिसाल बना संभाग स्तरीय राज्य पुरस्कार जाँच शिविर

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त मान. इंदरजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव जितेंद्र कुमार साहू के आदेशानुसार सरगुजा संभाग स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड जाँच शिविर 07 से 11 अक्टूबर 2025 तक जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज,सलका,बैकुंठपुर जिला कोरिया में आयोजित किया गया। संभाग स्तरीय इस शिविर का संचालन शिविर संचालक राज्य प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट शैलेन्द्र कुमार मिश्रा,मुख्य परीक्षक स्काउट विभाग जिला संगठन आयुक्त स्काउट कोरिया नागेश्वर साहू, गाइड विभाग सहायक राज्य संगठन आयुक्त गाइड जेरमिना एक्का,सहायक परीक्षक जिला प्रशिक्षण आयुक्त एम. सी. बी. शांतनु कुमार कुर्रे, गाइडर इग्नेश दास के द्वारा किया जा रहा है। इसमें सरगुजा संभाग के पाँच जिलों – कोरिया,मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर,सुरजपुर,जशपुर एवं बलरामपुर से 42 स्काउट्स एवं 39 गाइड्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के शुभारंभ जिला मुख्य आयुक्त देवेंद्र तिवारी के गरिमामयी उपस्थित में किया गया द्य उन्होंने शिविर में सम्मलित सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा स्काउट्स एवं गाइड्स समाज सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के स्तंभ हैं। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों से सेवा ही परम धर्म है के सिद्धांत को जीवन में अपनाने का आग्रह किया। शिविर के सफल संचालन हेतु कोरिया जिले से जिला सचिव सुरेन्द्र कुमार,जिला संगठन आयुक्त गाइड आशा एक्का,जिला मीडिया प्रभारी रवि प्रसाद बैगा, विकासखण्ड सचिव बैकुंठपुर शिवप्रताप सिंह सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान,हितग्राही मूलक योजनाओं का मिला लाभ

सांसद चिंतामणि महराज ने किया किसानों से एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन कराने की अपील

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

जन समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन में सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत करजी में आज जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण अंचल में निवासरत नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ सीधे जनता तक पहुंचे। शिविर में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महराज,जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह,उपाध्यक्ष देवनारायण यादव,जिला पंचायत सदस्य पायल सिंह तोमर, जनपद पंचायत अध्यक्ष विक्रम सिंह सोनपाकर, सभापति सतीश यादव, जनपद सदस्य, सरपंच-पंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलेक्टर विलास भोसकर,जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल,एसडीएम फागेश सिन्हा, जनपद पंचायत सीईओ राजेश सेंगर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

शासन की योजनाओं से हर व्यक्ति को लाभः सांसद श्री महराज

शिविर को संबोधित करते हुए सांसद श्री चिंतामणि महराज ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार प्रत्येक नागरिक को योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु संकल्पित है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीणों की सुविधा के लिए चलाया जा रहा जिससे लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। सांसद श्री महराज ने किसानों से अपील की कि वे एग्रीस्टैक पोर्टल पर शीघ्र पंजीयन कराएं, जिससे उन्हें कृषि से संबंधित योजनाओं, सब्सिडी,बीमा,ऋण और तकनीकी सहायता का लाभ सुगमता से प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल किसानों के लिए एक डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करेगा और उनकी सभी कृषि गतिविधियों को एकीकृत प्रणाली से जोड़ेगा। उन्होंने बताया कि किसानों का एग्रीस्टैक पंजीयन 31 अक्टूबर तक अंतिम तिथि है। इसलिए सभी कृषक बंधु अतिशीघ्र पंजीयन कराएं।

जनपद व जिला प्रतिनिधियों ने किया हितग्राहियों का सम्मान

इस अवसर पर सांसद चिंतामणि महराज, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह सहित जनप्रतिनिधियों ने नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन,गोदभराई कार्यक्रम,तथा मत्स्य विभाग से मछली जाल,आइस बॉक्स, केसीसी, आयुष्मान कार्ड,शौचालय स्वीकृति पत्र जैसे हितग्राही सामग्री का वितरण किया। इससे ग्रामीणों में उत्साह और विश्वास का वातावरण दिखाई दिया। साथ ही सांसद एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छता रिक्शा को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया।

विभागीय स्टॉलों से मिली योजनाओं की जानकारी

शिविर स्थल पर कृषि,पशुपालन,मत्स्य,महिला एवं बाल विकास,स्वास्थ्य,राजस्व,पंचायत, सामाजिक कल्याण,श्रम, ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे,जिनके माध्यम से ग्रामीणों को शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर के दौरान कुल 121 आवेदन प्राप्त हुए,जिनमें 116 मांग संबंधी एवं 5 शिकायत संबंधी आवेदन थे। इनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया,जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को शीघ्र समाधान हेतु प्रेषित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में राज्य सरकार गांव के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर ग्रामीणों और प्रशासन के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बन रहे हैं,जिससे समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हुई है। करजी ग्राम पंचायत में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखीं,जिनका समाधान मिला और शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी प्राप्त हुई।

परसा ईस्ट केते बासेन फुटबॉल टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबलों की धूम तीन दिनों में खेले गए छह मैच,खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

परसा ईस्ट केते बासेन फुटबॉल टूर्नामेंट का दूसरा, तीसरा और चौथा दिन क्रमशः 06, 07 और 08 अक्टूबर 2025 को उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। विभिन्न जिलों की टीमों ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। तीन दिनों में कुल छह मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रत्येक मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

06 अक्टूबर 2025 – दूसरा दिन : दुग्गा बनाम वृन्दावनः वृन्दावन ने दुग्गा को 1-0 से हराया। खलेश्वर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। रैबल पैंथर लुंड्रा बनाम गीना बहार जशपुरः गीना बहार जशपुर ने 3-1 से जीत दर्ज की। राहुल को मैन ऑफ द मैच पुरस्कार मिला।

07 अक्टूबर 2025 – तीसरा दिन : यूनाइटेड इलेवन अंबिकापुर बनाम बरपारा बलरामपुरः बरपारा बलरामपुर ने 3-1 से जीत हासिल की। गोलकीपर गंगा राम को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

08 अक्टूबर 2025 – चौथा दिन : परसा बी बनाम दादा भाई बैकुंठपुर (कोरिया): परसा बी ने 3-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। नीलभूषण को मैन ऑफ द मैच चुना गया। चरचा कॉलरी बैकुंठपुर (कोरिया) बनाम स्टार क्लब लखनपुर (सरगुजा): चरचा कॉलरी ने 3-0 से जीत दर्ज की। आयुष करकेट्टा को मैन ऑफ द मैच सम्मान मिला। जे.एफ.सी. कुन्नी (सरगुजा) बनाम शिवनगर (सूरजपुर): शिवनगर ने 2-0 से मुकाबला जीता। राहुल करियाम को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

09 अक्टूबर 2025 – पाँचवां दिन : गुटूरमा (जिला कोरबा) बनाम चरचा कॉलरी (जिला कोरिया): इस दिन का पहला मुकाबला गुटूरमा और चरचा कॉलरी के बीच खेला गया। चरचा कॉलरी ने प्लांटी के माध्यम से 04-02 से जीत दर्ज की। अशोक कुमार जी को बेहतर प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच पुरस्कार प्रदान किया गया। इस टूर्नामेंट में विभिन्न जिलों की टीमें भाग ले रही हैं, जो खेल भावना और सामूहिक उत्साह का प्रतीक हैं। दर्शकों को हर दिन रोमांचक मुकाबलों का अनुभव मिल रहा है। खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण की सराहना की जा रही है,जिससे स्थानीय खेल संस्कृति को बढ़ावा मिल रहा है। फाइनल मैच के साथ समापन समारोह 17 अक्टूबर 2025 को प्रस्तावित है, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं आयोजन समिति की उपस्थिति रहेगी। यह प्रतियोगिता राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा अदाणी फाउंडेशन, ग्राम पंचायत परसा एवं आदर्श टाइगर यूथ क्लब की सहभागिता से आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देना, युवाओं को खेलों से जोड़ना और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। अदाणी फाउंडेशन राज्य में फुटबॉल, तीरंदाजी जैसे खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे युवाओं को खेलों के माध्यम से सशक्त किया जा सके।

चौपाटी पुनर्निर्माण को लेकर नगर निगम की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

नगर निगम अंबिकापुर द्वारा चौपाटी के पुनर्निर्माण कार्य को लेकर इलाके में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। गुरुवार और शुक्रवार को नगर निगम के अमले ने जेसीबी की मदद से चौपाटी क्षेत्र सहित गुदरी बाजार और गुरुद्वारा चौक के आसपास से अवैध ठेले और गुमटियों को हटाया। नगर निगम द्वारा पहले ही इन अवैध कब्जाधारियों को नोटिस जारी कर कब्जा खाली करने की चेतावनी दी गई थी। नगर निगम की इस कार्रवाई का उद्देश्य चौपाटी के सौंदर्यीकरण और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाना बताया गया है। चौपाटी क्षेत्र में लंबे समय से सडक़ किनारे अवैध ठेले और गुमटियों के कारण जाम की स्थिति बन रही थी। निगम अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई स्वच्छता और सुगम यातायात के उद्देश्य से की जा रही है,जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधा मिल सके। हालांकि, अतिक्रमण हटाए जाने से प्रभावित छोटे व्यापारियों और ठेला संचालकों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है और ऐसे समय पर व्यवसाय बंद करवाना उनके लिए आर्थिक रूप से नुकसानदायक होगा। शुक्रवार की सुबह करीब 28 से अधिक प्रभावित व्यापारियों ने महापौर मंजूषा भगत से मुलाकात कर कार्रवाई रोकने की मांग की। महापौर मंजूषा भगत ने प्रभावितों से संवाद करते हुए स्पष्ट किया कि चौपाटी का पुनर्निर्माण स्वच्छता मिशन के तहत हो रहा है और अंबिकापुर को देश में स्वच्छता रैंकिंग में पहले स्थान पर बनाए रखने के लिए यह आवश्यक कदम है। उन्होंने कहा कि यह कार्य शहर हित में है,और इसमें सभी नागरिकों का सहयोग जरूरी है। महापौर ने यह भी सुझाव दिया कि जब तक चौपाटी का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक सभी प्रभावित व्यापारी अस्थायी रूप से पुराने बस स्टैंड में अपना व्यवसाय संचालित कर सकते हैं। हालांकि,प्रभावित व्यापारियों का कहना है कि पुराने बस स्टैंड में ग्राहक नहीं आते और वहां व्यवसाय चलाना मुश्किल है। व्यापारियों की चिंता है कि त्योहारी सीजन में उनकी कमाई पर असर पड़ेगा और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना भी कठिन हो जाएगा। नगर निगम की यह कार्रवाई आने वाले दिनों में शहर के अन्य अतिक्रमण वाले क्षेत्रों में भी जारी रह सकती है।

लखनपुर खंड के पटकुरा मंडल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भव्य पथ संचलन आयोजित

विजयदशमी उत्सव के उपलक्ष्य में हुआ कार्यक्रम,बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने लिया हिस्सा

-संवाददाता-
लखनपुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर लखनपुर खंड के पटकुरा मंडल में पथ संचलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन पटकुरा मंडल के बिना ग्राम पंचायत बुनिया में विजयदशमी उत्सव के उपलक्ष्य में संपन्न हुआ,जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यालय

जिला सहसंचालक श्रीमान देवनारायण यादव जी ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि – यह समय केवल बधाई देने का नहीं है,बल्कि संघ कार्य को और अधिक गति देने का समय है। सभी स्वयंसेवक अधिक से अधिक समय संघ कार्य को दें ताकि समाज में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को जागृत किया जा सके।

पथ संचलन में स्वयंसेवकों ने अनुशासित पंक्तियों में पारंपरिक गणवेश में भाग लिया। उनके कदमों की ताल से वातावरण में राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला। ग्राम पंचायत की गलियों से गुजरते हुए स्वयंसेवकों ने सामाजिक एकता और संगठन की शक्ति का संदेश दिया।

पीटीएस मैनपाट में नवआरक्षकों की दीक्षांत परेड सम्पन्न,आईजी सरगुजा ने ली सलामी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (पीटीएस) मैनपाट, सरगुजा में नवआरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण ग्यारहवां सत्र 2025 का दीक्षांत परेड समारोह आज गरिमामय माहौल में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा रहे, जिन्होंने प्रातः 9.15 बजे दीक्षांत परेड की सलामी ली एवं परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मैनपाट सचिन्द्र चौबे द्वारा नवआरक्षकों को विधिवत शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात पीटीएस मैनपाट के पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशिक्षण सत्र की विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत की गई, जिसमें नवआरक्षकों के शारीरिक, मानसिक व व्यवहारिक प्रशिक्षण की जानकारी साझा की गई। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में आईजी ने कहा कि आरक्षक पुलिस विभाग की रीढ़ होते हैं। वे आमजन से सीधे संपर्क में रहते हैं और उनके आचरण से ही विभाग की छवि बनती है। उन्होंने तीन नवीन आपराधिक कानूनों के अनुरूप कार्य करने की सीख देते हुए नवआरक्षकों से उत्कृष्ट पुलिस अधिकारी बनने का आह्वान किया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह में प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नवआरक्षकों को मुख्य अतिथि द्वारा नगद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई। दीक्षांत परेड का नेतृत्व परेड कमांडर रमेश कुमार मज्जी एवं सहायक परेड कमांडर खेमन लाल भोयर द्वारा किया गया। इस बार के सत्र में कुल 181 नवआरक्षक शामिल हुए, जिनमें कांकेर से 49, नारायणपुर से 36, कोण्डागांव से 28, सुकमा से 31 एवं बीजापुर से 37 नवआरक्षक सम्मिलित रहे। समारोह में पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल, अति. पुलिस अधीक्षक राकेश पाटनवार सहित कई जनप्रतिनिधि, पत्रकार,आम नागरिक एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समापन अवसर पर स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन व्याख्याता सुनीता दास द्वारा किया गया। दीक्षांत समारोह प्रातः 10.20 बजे सम्पन्न हुआ।

संगठन सृजन अभियान के तहत पर्यवेक्षक पहुंचे कोरिया

जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों ने झोंकी ताकत

पर्यवेक्षक ने सभी कार्यकर्ताओं से वन टू वन की मुलाकात,सभी से लिया उनका अभियान, स्थानीय नेताओं और पदाधिकारी रहे बाहर,कार्यकर्ताओ ने खुल कर दी अपनी राय

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कांग्रेस के 'संगठन सृजन अभियान' के तहत कोरिया जिले में जिला कांग्रेस जनों की बैठक आहूत की गयी थी। जिसके तहत पर्यवेक्षक भी कोरिया जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर पहुँचे, एआईसीसी पर्यवेक्षक पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय का नेता प्रतिपक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा डॉ चरणदास महंत ने स्वागत व अभिनन्दन किया तदोपरांत जिला कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर कार्यकर्ताओं से रायशुमारी कर उनके विचार आमंत्रित किये गये और संगठन को मजबूत बनाने हेतु सभी को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत,पीसीसी ऑब्जर्वर राजयसभा सांसद श्रीमती फूलोदेवी नेताम पीसीसी ऑब्जर्वर विधायक संगीता सिन्हा, पीसीसी ऑब्जर्वर अशोकराज आहूजा सहित वरिष्ठ कॉग्रेसजन,जिला अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित रहे।

योगेश शुक्ला का नाम-कोरिया कांग्रेस के सबसे दमदार दावेदारों में नाम आता है रनई जमीदार योगेश शुक्ला का...योगेश शुक्ला के पास जहां जोरदार नेतृत्व क्षमता है व ओजस्वी वक्ता होने के साथ-साथ उनके पास समर्थकों की फौज है पिछले दो पंचवर्षीय से विधायक की टिकट के दावेदार भी रहे हैं। यदि कांग्रेस इन्हें जिलाध्यक्ष बनाती है तो यकीनन कांग्रेस को कोरिया में एक नई गति मिलेगी हालाकि योगेश शुक्ला ने दावेदारी नही की है बावजूद इनकी छवि शुरुवात से दमदार रही है। वही पिछले तीन पंचवर्षीय से कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष का पद संभाल रहे युवा नेता अजय सिंह, जिनके लिए कहा जाता है कि इनके खून में ही कांग्रेस है। तन समर्पित,मन समर्पित और कांग्रेस के लिए पूरा जीवन समर्पित...युवा नेतृत्व,ओजस्वी वक्ता व व्यवहार से कमाए कार्यकर्तओं की लंबी फेहरिस्त...कांग्रेस का कोई भी कार्यक्रम हो एक-एक कार्यकर्ता को फोन लगा कर बुलाना...उनके दुःख में आधी रात को दौड़ना यही खूबी अजय सिंह को लोकप्रिय बनाती है। यदि कांग्रेस ऐसे युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाती है तो निःसन्देह कोरिया में कांग्रेस का डंका बज जाएगा। वही अनिल जायसवाल-पूर्व जनपद अध्यक्ष व पिछड़ा वर्ग कांग्रेस

कांग्रेस के ये रहे दमदार दावेदार

के जिलाध्यक्ष भी इस रेस में तगड़े दावेदार हैं। जनपद उपाध्यक्ष रहते हुए जिस प्रकार उन्होंने पार्टी व संगठन को मजबूती प्रदान की वह किसी से छिपा नही है। पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष रहते हुए उन्होंने अविभाजित कोरिया का दौरा कर अपना जनाधार बढ़ाने के साथ पार्टी को बढ़ाने का भी काम किया। अनिल जायसवाल युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं व उनके पास शहर के साथ ग्रामीण अंचलों में भी समर्थकों की भरमार है। पार्टी यदि अनिल को मौका देती है तो वह पूरी ऊर्जा के साथ पार्टी को नई दिशा प्रदान करने में सहायक हो सकते हैं। मुख्तार अहमद भी रेश में शामिल हैं-वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिलाध्यक्ष रहे मुख्तार अहमद पिछले 45 वर्षों से कांग्रेस के सच्चे सिपाही के रूप में पार्टी की सेवा कर रहे हैं जिस तरह से मुख्तार अहमद ने पार्टी के प्रति निष्ठा दिखाई है अभी तक पार्टी ने उनके कद के अनुरूप उन्हें पद से नहीं नवाजा। है यदि पार्टी उन्हें जिला अध्यक्ष का पद देती है तो यह उनका सम्मान तो होगा ही साथ ही जातिगत समीकरण का भी लाभ कांग्रेस को मिल सकता है। जबकि क्षत्रिय योद्धा के रुप मे पहचाने जाने वाले शैलेंद्र सिंह कांग्रेस के सच्चे कार्यकर्ता के रूप में शैलेंद्र सिंह की पहचान लंबे अरसे से बनी हुई है। छत्तीसगढ़ के कद्दावर नेता विद्याचरण शुक्ल के करीबी रहे शैलेंद्र सिंह अपनी स्पष्टवादीता के लिए जाने जाते हैं। किसी भी गुटबाजी से अलग अपनी पहचान रखने वाले शैलेंद्र सिंह केवल और केवल कांग्रेस पार्टी के लिए ही काम करना पसंद करते हैं। जिला अध्यक्ष पद के लिए वह कांग्रेस के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं। विकास श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष पद के लिए धूमकेतु की तरह उभरा यह नाम विकास श्रीवास्तव जो छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रहा है। किसी जमाने में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेहद करीबी तथा पूर्व विधायक गुलाब सिंह व पूर्व मंत्री अमरजीत भगत से विकास की नजदीकियां जगजाहिर रही हैं। युवा हस्ताक्षर विकास श्रीवास्तव अभी वर्तमान में पूर्व विधायक अंबिका सिंहदेव के भी बेहद गरीबी माने जाते हैं। यदि कांग्रेस पार्टी भाजपा की तर्ज पर कम करें तो विकास श्रीवास्तव भी कांग्रेस जिला अध्यक्ष की बागडोर संभालने के काबिल हैं। युवा चेहरे पर दांव लगाना कांग्रेस के लिए फायदेमंद भी हो सकता है।

दावेदारों ने समर्थकों के साथ झोंकी ताकत

छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश के बाद अब सभी जिलों में संगठन को मजबूत करने के दृष्टिकोण से जिलाध्यक्षों को बदलने की कवायद की जा रही है। जिसके लिए कोरिया और एमसीबी जिले के नियुक्त प्रभारी व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं से रायशुमारी की उसके बाद राष्ट्रीय स्तर में अपनी रिपोर्ट देंगे।

क्या कहते है बूथ के कार्यकर्ता

बूथ के कार्यकर्ताओं से चर्चा करने पर उनका कहना है कि कोरिया व एमसीबी में संगठन को मजबूत करने के लिए नेतृत्व क्षमता, ओजस्वी वक्ता व दमदार नेता होने के साथ ही ठेकेदारी या सप्लायर नहीं होने वाले नेता को ही प्राथमिकता देना चाहिए अन्यथा सरकारी सप्लाई या ठेकेदारी वाला जिलाध्यक्ष सत्ता पक्ष से दबा रहेगा।

वर्तमान अध्यक्ष की हो सकती है पुनःवापसी

वर्तमान जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता का सरल सहज अंदाज सबसे अलग है, इन्हें जिलाध्यक्ष बने काफी कम समय हुआ है, प्रदीप गुप्ता डा चरणदास महंत के बेहद करीबी माने जाते हैं, गुटबाजी से दूर कार्यकर्ताओ को लेकर चलने वाले नेताओं में गिने जाते हैं। सूत्र बताते हैं कि प्रदीप गुप्ता पुनः जिला अध्यक्ष बन सकते हैं। बहरहाल इन दावेदारों ने पूरा दम लगा दिया है बाकी जिसकी फील्डिंग टाइट होगी वरिष्ठ नेताओं का सपोर्ट मिलेगा उसका ही पलड़ा भारी रहेगा। सभी दावेदारों और उनके समर्थकों के ओपिनियन पर्यवेक्षक ने सुन लिए है अब किसकी किस्मत का ताला खुलता है यह आने वाले कुछ दिनों में तय होगा कोरिया कांग्रेस को जल्द नवीन अध्यक्ष मिलना तय है।

शिक्षा को अपनाकर विकास की राह में समाज को आगे बढ़ना होगा:मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

-संवाददाता-

कोरबा,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय कटघोरा में सातगढ़ कँवर समाज के सामाजिक सम्मेलन-1857 के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर शहीद सीताराम कँवर के पुण्य तिथि समारोह सहित रामपुर चौक में शहीद सीताराम कँवर के प्रतिमा अनावरण तथा ग्राम कसनिया मोड़ में भगवान सहस्त्रबाहु के नाम पर चौक का नामकरण,मूर्ति स्थापना और प्रवेश द्वार सह उद्यान निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कटघोरा में हाईटेक बस स्टैंड और कँवर समाज के लिए भवन हेतु एक करोड़, भगवान सहस्त्रबाहु के मूर्ति स्थापना एवं प्रवेश द्वार निर्माण के लिए 25 लाख,शहीद सीताराम कँवर के प्रतिमा के लिए 10 लाख की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कंवर समाज एवं कल्चुरी समाज के लोगों को मूर्ति अनावरण,मूर्ति स्थापना, भूमि पूजन सहित अन्य विकास कार्यों के लिये बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कँवर समाज के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी समाज के लोगो का आगे बढने का शिक्षा ही एकमात्र रास्ता है। वे चाहते हैं कि सभी समाज के लोग शिक्षा को अपनाएं और विकास की राह में आगे बढ़े और छत्तीसगढ़ सहित देश का मान बढ़ाए। उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने सरकार काम कर रही है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजाति के लोग भी कलेक्टर-एसपी, डॉक्टर-इंजीनियर बने यही हमारी मंशा है। मुख्यमंत्री ने वीर शहीद सीताराम कंवर को समाज का गौरव बताते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में समाज के अनेक लोगों ने अपनी बलिदान दी है। मुझे खुशी है कि आज मैंने शहीद सीताराम कंवर के प्रतिमा का अनावरण किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के विकास व उत्थान के लिये शिक्षा आवश्यक है। उन्होंने समाज के लोगों से अपने सभी बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित किया और युवाओं को नशा से दूर रहने तथा सड़क में यातायात नियमों का पालन करते हुए हेलमेट पहनने तथा जागरूक बनकर शासन की योजनाओं का लाभ उठाने कहा। उन्होंने बताया कि राज्य में उच्च शिक्षण संस्थान की बेहतर व्यवस्था है। वर्तमान में राज्य में मेडिकल कॉलेज,एम्स,आईआईआईटी, विश्वविद्यालय,लॉ कॉलेज संचालित है। यहाँ के विद्यार्थी चाहे तो राज्य में रहकर भी उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती फरवरी 2026 तक मनाए जाने की बात कहते हुए सभी को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी को पूरा करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आने वाले दिनों में हमारा राज्य विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में स्थापित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा की गई प्रमुख घोषणा

मुख्यमंत्री श्री साय ने सातगढ़ कंवर समाज के सामाजिक भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपए प्रदान करने और कंवर समाज के बनने वाले समाजिक भवन में डीएमएफ से बाउंड्रीवाल निर्माण कराने घोषणा की। उन्होंने रामपुर चौक में शहीद सीताराम कंवर की नए मूर्ति स्थापना के लिए 10 लाख, कसनिया मोड़ में भगवान सहस्त्र बाहु की मूर्ति स्थापना एवं प्रवेश द्वार निर्माण के लिए 25 लाख देने तथा कटघोरा में हाईटेक बस स्टैंड निर्माण की घोषणा की। इस अवसर पर समाज के जिला अध्यक्ष श्री नंदलाल कंवर, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह कँवर,महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत,श्री गणराज सिंह कँवर,श्री त्रिवेंद्र सिंह,श्री राजीव सिंह,श्रीमती झुलबाई कँवर,श्री राज जायसवाल,श्रीमती माया रूपेश कँवर,आईजी श्री संजीव शुक्ला, कलेक्टर श्री अजीत वसंत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण,समाज के लोग उपस्थित थे।

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट और जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा ने विभिन्न स्कूलों का किया निरीक्षण

-संवाददाता-

एमसीबी,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत जिलेभर के शासकीय विद्यालयों में आज सामाजिक अंकेक्षण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री डी. राहुल वेंकट और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालयीय व्यवस्थाओं और विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ने देवाडांड संकुल के स्कूलों का किया दौरा

कलेक्टर राहुल वेंकट ने खड़गवां विकासखंड के देवाडांड संकुल अंतर्गत हाई स्कूल देवाडांड,प्राथमिक शाला लकरापारा सहित कई विद्यालयों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण स्तर,मिड-डे मील की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, पुस्तकालय संचालन,अधिगम स्तर और शिक्षण सामग्री के उपयोग का बारीकी से अवलोकन किया। कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर पढ़ाई,भोजन,शिक्षण पद्धति और स्कूल वातावरण के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक उत्तर देते हुए बताया कि विद्यालय में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चल रहा है और मिड-डे मील की गुणवत्ता संतोषजनक है। उन्होंने शिक्षकों को निर्देशित किया कि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की गति पर ध्यान दें ताकि मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान का मूल उद्देश्य ÷हर बच्चा पढ़े, सीखे और आगे बढ़े÷ साकार हो सके। उन्होंने कहा कि सामाजिक अंकेक्षण केवल निरीक्षण की प्रक्रिया नहीं, बल्कि शिक्षा की वास्तविक गुणवत्ता को परखने का सशक्त माध्यम है।

सीईओ ने कोड़ा संकुल में की समीक्षा

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा ने कोड़ा संकुल के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला कोड़ा, माध्यमिक शाला कोड़ा,पूर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला नेवरी,माध्यमिक शाला बेलबहरा और प्राथमिक शाला महादेवपाली का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालयों की साफ-सफाई व्यवस्था,पेयजल सुविधा,शिक्षण सामग्री की उपलब्धता और विद्यार्थियों की उपस्थिति की समीक्षा की। सीईओ ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से संवाद करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता और सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा तभी सशक्त होगी जब समाज जिम्मेदारी से इसमें सहभागी बनेगा और हर अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई पर सक्रिय ध्यान देगा।

समुदाय की भागीदारी और शिक्षा में पारदर्शिता

सीईओ ने शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों से बैठक कर पारदर्शिता,जिम्मेदारी और समाज की सहभागिता को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यालयों में स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं सीईओ ने संयुक्त रूप से कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो यह सुनिश्चित करता है कि गाँव से लेकर शहर तक हर बच्चा समान अवसरों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके।

खड़गवां में पोषण माह पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-

खड़गवां,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

स्वस्थ नारी,सशक्त परिवार थीम पर महिला एवं बाल विकास परियोजना खड़गवां द्वारा पोषण माह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सही पोषण, मोटापा नियंत्रण, चीनी व तेल के सीमित उपयोग सहित स्वस्थ जीवनशैली पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में रेडी टू ईट फूड प्रशिक्षण, हरी सब्जियों की प्रदर्शनी और सुपोषण रंगोली भी बनाई गई।

न्यायालय नायब तहसीलदार प्रतापपुर,जिला-सुरजपुर,छ0ग0

रा0प्र0क0-202404263600015 /अ-19/2023.24

ईश्तहार

कार्यालय सहायक अभियन्ता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड - प्रतापपुर जिला- सूरजपुर (छ0ग0) के द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माण कार्यों हेतु ग्राम परमेश्वरपुर बगीचापारा गौठान के पास उच्चस्तीय जलागार के लिए शासकीय भूमि खसरा नं0 469 रकबा 2.71 हे0 मे से 0.20 हे0 (1/2 एकड़) भूमि का आबंटन में प्रदाय करने का लेख किया गया है ।

अतः इस सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, दावा हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकते है । 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-08/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी ।

सील

नायब तहसीलदार
प्रतापपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अंबिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0... /अ-6/ 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्रीमती हरजिन्दर कौर पति स्व. पापेन्दर सिंह,हरप्रीत सिंह आ.स्व. पापेन्दर सिंह, श्रीमती करमजीत कौर पति स्व. हरजीत सिंह,प्रभजोत सिंह आ.स्व. हरजीत सिंह, नवजोत सिंह आ.स्व. हरजीत सिंह सभी निवासी गुरूनानक वार्ड केदारपुर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के पति/पिता हरजीत सिंह एवं पापेन्दर सिंह के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की मोहल्ला केदारपुर नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 1118, 1119 रकबा 9147.6 वर्गमीटर भूमि स्थित है। उक्त भूमि पर अनावेदक रसविन्दर सिंह आ. स्व. मान सिंह की माता महेन्दर कौर पति स्व. मान सिंह का भी नाम दर्ज है। सह भूधारक हरजीत सिंह की मृत्यु दिनांक 22.06.2024 एवं पापेन्दर सिंह की मृत्यु दिनांक 27.03.2013 को तथा श्रीमती महेन्दर कौर की मृत्यु दिनांक 05.12.2014 को हो गई है। अतः सह भूधारक की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदकगण द्वारा फौति नामांतरण के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से उनका नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु मृत्तक भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/10/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-01/10/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
अंबिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया (छ0ग0)

ईकोर्ट रा0प्र0क्र0 /अ-6/2024-25

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्राम बैकुण्ठपुर पह0नं0 09 तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.) तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है,आवेदिका सिद्दकी आ0 स्व0 हाकीम अली जाति मुसलमान निवासी मुसलमान निवासी ग्राम जुनापारा थाना व तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ0ग0 हाल मुकाम अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0 में आवेदन पेश किया है। आवेदिका ने अपने आवेदन पत्र में लेख किया है कि आवेदिका एवं आवेदिका के माता स्व0 नाजरा सिद्दकी पति स्व0 हाकीम अली के नाम पर भूमि ग्राम बैकुण्ठपुर में स्थित ख0नं0 181/5 रकबा 0.0170 हे0 एवं ख0नं0 166/1/क रकबा 0.1350 हे0 स्थित है जो संयुक्त रूप से दर्ज है। आवेदिका की माता स्व0 नाजरा सिद्दकी की मृत्यु दिनांक 26.12.2024 को हो गया है। आवेदिका एवं उनके वारिसानों का नाम सहखातेदार के रूप में नाम दर्ज है तथा अपने माता स्व0 नाजरा सिद्दकी का नाम उक्त दर्शित भूमि की राजस्व रिकार्ड से नाम विलोपित किये जाने का निवेदन किया है।

अतः उक्त संबंध हित रखने वाले व्यक्तियो को यदि कोई आपत्ति हो, तो वे दिनांक 24/10/25 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगा।

सील

तहसीलदार बैकुण्ठपुर
जिला कोरिया

शराब दुकान में क्या इसलिए कुछ समय के लिए ऑनलाइन भुगतान किया जाता है बंद

ताकि मिलावट का पैसा आ सके जेब में ?

ऑनलाइन भुगतान की यदि ग्राहक करता है जिद तो किसी अन्य के खाते में लिया जाता है पैसा,ग्राहक को देना पड़ता है अतिरिक्त शुल्क भी...

शराब प्रेमियों की शिकायत कई बार ऑनलाइन भुगतान नहीं किया जाता दुकान में स्वीकार

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

क्या शासकीय शराब दुकानों में कुछ समय के लिए प्रतिदिन ऑनलाइन भुगतान नहीं स्वीकार किया जाता है जिससे कि मिलावट का पैसा शराब दुकान के कर्मचारियों के हांथ में आ सके? ऐसा हम नहीं कह रहे हैं यह शासकीय शराब दुकानों को लेकर शराब प्रेमियों द्वारा की जा रही इस शिकायत से आभास होता है जिसमें वह बताते हैं कि शाम या दिन के कुछ समय में शराब दुकानों की ऑनलाइन पैसा स्वीकार करने की मशीन या स्कैनर हटा दिया जाता है और सर्वर डाउन या अन्य बहाने बनाए जाते हैं और या तो नकद पैसा मांगा जाता है या फिर शराब दुकान के कर्मचारियों द्वारा किसी अन्य के स्कैनर या मोबाइल नंबर पर पैसा डलवाया जाता है और जिसका कमीशन भी शराब प्रेमियों को देना पड़ता है जिसके खाते में वह ऑनलाइन पैसा भेजते हैं।

यह शिकायत कोरिया जिले के अधिकाशं शराब दुकानों से सामने आ रही है और इसके पीछे की वजह यही मानी जा रही है कि यदि ऑनलाइन ही पूरे भुगतान शराब के आने लगेंगे पूरा पैसा स्पष्ट हो जाएगा कि एक दिन में कितनी शराब बिकी और ऐसे में मिलावट का खेल बंद हो जाएगा,माना जा रहा है कि इस मामले में आबकारी विभाग का भी सह शराब दुकानदारों को प्राप्त है जिसके कारण इस ओर कोई जिम्मेदार ध्यान नहीं देता है कि पैसा ऑनलाइन लिया जा रहा है या फिर कुछ मामले में दिन के किसी समय नकद भी पैसा

लिया जा रहा है,वैसे यदि शराब प्रेमियों की शिकायत को गंभीरता से लिया जाए तो शराब में मिलावट पूरी तरह से बंद हो सकता है और शासन के राजस्व में भी इजाफा नजर आएगा जो मिलावट के कारण लगातार कम दर्ज होता है। शासकीय शराब दुकानों में दिनभर की कुल बिक्री में से आधी बिक्री पानी की होती है जो मिलावट करके बेची जाती है जिससे शराब की असल खपत कम नजर आती है और पानी का पैसा दुकान के कर्मचारियों के जेबों में चला जाता है,अमूमन प्रतिदिन की स्थिति में दुकानों के हिसाब से लाखों या फिर हजारों का नुकसान शासन को मिलावट के कारण होता है,वैसे यदि यह सब कुछ सही है तो यह स्पष्ट है कि यदि शराब केवल ऑनलाइन भुगतान माध्यम से यदि बेची जाए तो शासन के राजस्व में बड़ा इजाफा दर्ज होता नजर आयेगा जो पहले से कई गुना अधिक होगा।

ऑनलाइन भुगतान की जिद पर शराब प्रेमियों को दिया जाता है दूसरे का स्कैनर या मोबाइल नंबर,पैसा देने के नाम पर लिया जाता है कमीशन

शराब प्रेमियों के अनुसार जब वह शराब के लिए ऑनलाइन ही भुगतान की बात करते हैं या उनके पास नकद पैसा नहीं होता है तब शराब दुकान के कर्मचारियों द्वारा उन्हें दूसरे व्यक्ति का स्कैनर या मोबाइल नंबर दिया जाता है,जिस व्यक्ति का मोबाइल नंबर या स्कैनर दिया जाता है उसके खाते में ऑनलाइन भुगतान का शुल्क भी लिया जाता है जिससे शराब प्रेमियों को एक तरह से अतिरिक्त पैसा सुविधा शुल्क के नाम से जमा कर शराब मिल पाती है,वैसे यह आश्चर्य का विषय है कि जहां या जब शराब दुकान का स्कैनर काम नहीं कर रहा होता है तब अन्य व्यक्ति का जो कमीशन लेकर पैसा देता है और जो शराब प्रेमी पैसा देता है उसका स्कैनर काम कर रहा होता है।

मिलावट का पैसा जेब में आ सके इसलिए ऑनलाइन भुगतान कुछ समय तक किया जाता है बंद ?

पूरे मामले में यह बड़ा सवाल है कि क्या मिलावट पानी मिलावट का पैसा दुकान के कर्मचारियों के जेबों में आ सके इसलिए दिन में कई बार ऑनलाइन भुगतान स्वीकार नहीं करते दुकान के कर्मचारी, बताया जाता है कि ऑनलाइन कम से कम भुगतान लेना चाहते हैं कर्मचारी,वह दिन में कई बार दुकान का स्कैनर दुकान के सामने से हटा देते हैं जिससे शराब प्रेमी नकद भुगतान के लिए मजबूर हो जाता है,ऐसा करने के पीछे वैसे यही वजह बताई जाती है कि दुकान के कर्मचारी जो मिलावट करते हैं जो पानी होता है वह यदि ऑनलाइन ही केवल भुगतान होता रहे वह संभव नहीं हो पाएगा और पूरा पैसा शासन के खाते में चला जाएगा सीधे जिससे कर्मचारियों को पानी का पैसा जो मिलावट से मिलता है वह नहीं मिल पाएगा।

ऑनलाइन ही केवल यदि भुगतान व्यवस्था लागू हो जाए सरकार का राजस्व दो से तीन गुना बढ़ जाए...

शराब प्रेमियों में से कुछ जानकार जो मिलावट को अच्छे से समझते हैं शराब मामले में उनका कहना है कि यदि शराब दुकानों में 100 प्रतिशत भुगतान ऑनलाइन हो जाए और नकद से शराब न मिले तो सरकार को शराब दुकानों से मिलने वाला राजस्व एक दिन में ही दो गुने से तीन गुना बढ़ जायेगा जो दिखने भी लगेगा,जानकारों के अनुसार शराब दुकानों में प्रतिदिन दो गुने से तीन गुने बिक्री मिलावट की होती है जो पानी होता है जिसे शराब में मिलाकर बेचा जाता है और यदि इसे रोकना है पूरी तरह तो केवल ऑनलाइन ही भुगतान व्यवस्था कारगर होगी जिसके बाद शराब प्रेमियों को भी शुद्ध शराब मिल सकेगी और इस तरह सरकार का राजस्व भी दो से तीन गुने बढ़ जायेगा।

प्रतिदिन शराब में पानी मिलाकर कर्मचारी कमाते हैं हजारों से लाखों,विभाग की भी सहमती से इंकार नहीं

बताया जाता है कि शासकीय शराब दुकानों में वहां कार्यरत कर्मचारी प्रतिदिन शराब में पानी मिलाकर हजारों से लाखों कमाते हैं,यह दुकान की बिक्री के अनुसार होने वाली कमाई होती है,शराब दुकानों में इस तरह शराब की जगह पानी ज्यादा बिकता है जो शासन को राजस्व की भी क्षति पहुंचाता है,यदि केवल ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था 100 प्रतिशत कर दी जाए यह सरकार के लिए राजस्व के वृद्धि का मामला बन सकता है,इस मिलावट और सभी मामले में विभाग शामिल नहीं है ऐसा कहना जल्दबाजी होगी।

दुबछोला हाई स्कूल में विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता और विद्यालय प्रबंधन का हुआ मूल्यांकन

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत सामाजिक अंकेक्षण सम्पन्न

-संवाददाता-

एमसीबी,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत शासकीय हाई स्कूल दुबछोला में सामाजिक अंकेक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन सामाजिक अंकेक्षण टीम प्रमुख श्रीमती रजनी सालोमन एवं शा. उ.मा.वि. डोमनहिल के प्राचार्य द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति-अंकेक्षण कार्यक्रम में ग्राम सरपंच श्री हरिसिंह, सहायक जनसंपर्क अधिकारी श्री लोकेश्वर सिंह, एसएमडीसी अध्यक्ष श्री अंगद प्रसाद, ग्राम शिक्षा समिति अध्यक्ष श्री शिवशंकर सिंह, सदस्य श्री शिवकुमार तथा बड़ी संख्या में पालकगण उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी व सहभागी बनाया।

विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता का मूल्यांकन

सामाजिक अंकेक्षण के दौरान विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता की जांच की गई। उपस्थित सदस्यों ने बच्चों से सीधे संवाद कर प्रश्न पूछे और उनकी ज्ञान स्तर की परीक्षा ली। विद्यार्थियों ने संतोषजनक उत्तर दिए, जिससे उनके शैक्षिक स्तर की सकारात्मक झलक सामने आई।

उपस्थिति और प्रबंधन की समीक्षा

अंकेक्षण में यह भी पाया गया कि विद्यालय में कुल 102 नामांकित विद्यार्थियों के विरुद्ध 62 विद्यार्थी उपस्थित रहे,जो लगभग 61 प्रतिशत उपस्थिति को दर्शाता है। विद्यालय का रखरखाव संतोषजनक पाया गया। सभी पंजीयाँ एवं शिक्षक डायरी सुव्यवस्थित रूप से संधारित थीं और प्राचार्य द्वारा प्रतिदिन अवलोकन एवं टीप लेखन किया जा रहा है।

सुविधाएं और संसाधन

विद्यालय परिसर में पेयजल हेतु बोरवेल की व्यवस्था उपलब्ध है, जिससे पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। साथ ही प्रयोगशाला और पुस्तकालय का नियमित रूप से उपयोग विद्यार्थियों द्वारा किया जा रहा है। इन व्यवस्थाओं ने शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में सकारात्मक योगदान दिया है।

समापन और निष्कर्ष

सामाजिक अंकेक्षण के इस आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता को परखा, बल्कि विद्यालय प्रबंधन, संसाधनों और सुविधाओं की भी गहन समीक्षा की। अंकेक्षण से यह स्पष्ट हुआ कि विद्यालय शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में सतत प्रयासरत है।

आत्मनिर्भर भारत सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति की अभिव्यक्ति भी हैः विधायक गोमती साय

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के संबंध में प्रेसवार्ता

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,10 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश आत्मनिर्भर भारत की ओर तेज़ी से अग्रसर है। हाल के ऐतिहासिक जीएसटी क्रांति और उससे पहले आयकर की दरों में ऐतिहासिक छूट देकर, सभी तरह के कर कानूनों का सरलीकरण कर मोदी जी ने विकसित भारत की राह को प्रशस्त किया है। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत प्रेसवार्ता विश्राम गृह बैकुण्ठपुर में आयोजित किया गया। प्रेसवार्ता में मुख्य रूप रूप से सरगुजा विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष एवं विधायक गोमती साय,पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, जनपद उपाध्यक्ष प्यारे साहू, जिला मंत्री शारदा गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, पूर्व नपा उपाध्यक्ष भानू पाल, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े उपस्थित रहें।

सरगुजा विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष एवं विधायक गोमती साय ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए

कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार नागरिकों को राहत, व्यापार सुगमता, कर सरलीकरण का अंतिम ध्येय भारत को विकसित बनाने देश के 150 करोड़ नागरिकों का जीवन आसान बना कर, उनके जीवन को संवारने का ध्येय लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना की वैश्विक महामारी के समय सबसे पहले 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र दिया था। उस समय की भयानक आपदा को भी ऐसा अवसर बना देना,किसी चमत्कारिक नेतृत्व के वश की ही बात है, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिया गया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति की अभिव्यक्ति भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस मूलमंत्र को अपना कर पार्टी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू किया है। यह अभियान 25 सितंबर पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती से प्रारम्भ हुआ है और 25 दिसंबर को छत्तीसगढ़ निर्माता, भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी की जयंती तक यह चलेगा। विधायक गोमती साय ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर घर स्वदेशी,घर-घर स्वदेशी की भावना के साथ इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आत्मनिर्भर भारत संकल्प सम्मेलन और आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा जैसी कई गतिविधियों की योजना बनाई गई है। इस अभियान का उद्देश्य 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को हर भारतीय तक पहुँचाना है। पिछले एक दशक से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में स्वदेशी को लेकर जिस तेजी से काम हुआ है, उसका असर सैन्य उपकरणों के निर्यात से लेकर अंतरिक्ष, वैक्सीन हर जगह भारत की बढ़ती धाक में देखा जा सकता है। आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन के ध्येय पर चलते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में आर्थिक और नीतिगत सुधारों का जो दौर चल रहा है, उसका सबसे अधिक लाभ गरीब, किसान, महिलाओं, मध्यम वर्ग को मिला है। प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों से आह्वान किया है कि हर भारतीय गर्व से कहे मैं स्वदेशी खरीदता हूँ, मैं स्वदेशी बेचता हूँ। गर्व से कहो यह स्वदेशी है, यही भावना आत्मनिर्भर भारत का मूल है। उन्होंने प्रेस वार्ता मे उपस्थित पत्रकारों के विभिन्न प्रश्नों के जवाब भी दिए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मैनेजर राजवाड़े,संजय चिकनजूरी, पार्षद अभिनेन्द्र सिंह चंदेल, सुनील सिंह, शाहिद अशरफी सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

CMYK

रेखा को शशि कपूर ने कहा था काली-मोटी एक्ट्रेस अमिताभ के प्रोफेशनलिज्म को देखकर शुरू की ग्रूमिंग

'खूबसूरत' अदाकारा रेखा 71 साल की हो चुकी हैं। उन्होंने 50 से ज्यादा सालों में अपने दमदार अभिनय, ट्रेंडसेटर स्टाइल और चार्मिंग पर्सनैलिटी से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई। 'उमराव जान', 'खून भरी मांग', 'सिलसिला', 'खूबसूरत' और कई अन्य फिल्मों में उनकी अदाएं लाखों लोगों के दिलों को छू गईं। हालांकि, ये आला मुकाम हासिल करना उनके लिए आसान नहीं था। कभी रेखा को बढ़े वजन को लेकर ताने मिले,कभी शशि कपूर ने काली-मोटी कहा, लेकिन आज इन्हीं रेखा की खूबसूरती पर एकेडमिक कोर्स करवाया जाता है।

बचपन के संघर्ष की कहानी

रेखा का असली नाम भानुरेखा गणेशन है। उनके पिता साउथ एक्टर जेमिनी गणेशन और मां एक्ट्रेस पुष्पावली थीं। रेखा का जन्म तब हुआ जब उनके माता-पिता शादीशुदा नहीं थे। जेमिनी गणेशन पहले से शादीशुदा थे और उनके कई बच्चे थे। पुष्पावली की भी पिछली शादी से दो बच्चे थे। तलाक की मान्यता न होने के चलते दोनों कभी शादी नहीं कर सके। यही वजह रही कि जेमिनी गणेशन ने रेखा को नहीं अपनाया और न ही उन्हें अपना नाम दिया। रेखा की छोटी बहन के जन्म के बाद जेमिनी गणेशन ने तीसरी शादी कर ली और परिवार से संबंध लगभग खत्म कर दिए। ऐसे में मां ने छोटे-मोटे रोल कर बच्चों की परवरिश की। पारिवारिक संघर्ष के बाद रेखा को शुरुआती पढ़ाई में भी कई तकलीफों का सामना करना पड़ा। बढ़े वजन के चलते उनका खूब मजाक उड़ाया जाता था, यही वजह रही कि डांस और खेल में रुचि होने के बावजूद झिझकती रहीं। फिल्मों की बात करें तो रेखा ने मात्र 3 साल की उम्र से एक्टिंग करनी शुरू कर दी थी। वह कभी भी एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं, लेकिन परिवार के हालात खराब थे और मां की हिदायत पर उन्होंने फिल्मों में काम करना शुरू किया। जब वह केवल 4 साल की थीं,तो चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहली बार तेलुगु फिल्म इंटि गुत्तु (1958) में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 1968 में आई तेलुगु फिल्म रंगुला रत्नम में भी एक्टिंग की।

हिंदी सिनेमा में पहचान बनाने का संघर्ष

रेखा की बॉलीवुड फिल्मों में एंट्री की बात करें तो प्रोड्यूसर कुलजीत पाल अपनी फिल्म की हीरोइन की तलाश में थे। किसी ने उन्हें बताया कि साउथ में एक रेखा नाम की एक्ट्रेस है, जो थोड़ी बहुत हिंदी बोल लेती है। इसके बाद कुलजीत पाल ने रेखा से मुलाकात की और पूछा कि क्या वह फिल्म में काम करना चाहती हैं और हिंदी बोल सकती हैं? इन दोनों सवालों के जवाब में रेखा ने ना कहा था। हालांकि,इसके बावजूद कुलजीत पाल ने कहा कि कल ऑडिशन के लिए आ जाओ। रेखा ने स्क्रीन टेस्ट में हिंदी के कुछ वाक्य अच्छी तरह से याद कर सुनाए,जिससे पाल इंप्रेस हो गए और उनके साथ 5 साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया, जिसमें चार फिल्में करनी थीं। इस तरह रेखा को उनकी पहली फिल्म अनजाना सफर के लिए सिलेक्ट किया गया। इस तरह रेखा मात्र 13-14 साल की उम्र में मुंबई, माया नगरी पहुंचीं और अपनी पहली फिल्म की शूटिंग शुरू की। हालांकि,बॉलीवुड में उनका यह सफर इतना आसान नहीं था। उनके रंग,वजन और टूटी-फूटी हिंदी पर कई बार ताने मारे गए। कई लोग तो उन्हें 'मद्रासन' (दक्षिण भारतीय लड़की) कहकर चिढ़ाते थे। रेखा की पहली हिंदी फिल्म अंजाना सफर थी, लेकिन सेंसरशिप की समस्याओं के कारण इसे दो शिकार के नाम से दस साल बाद रिलीज किया गया। इसलिए उनकी पहली रिलीज हिंदी फिल्म सावन भादों (1970) रही थी। रेखा पर बायोग्राफी लिखने वाले यासिर उस्मान अपनी किताब में लिखते हैं, फिल्म सावन भादों के प्रीमियर के दौरान शशि कपूर ने कहा था,इतनी काली,मोटी और अजीब दिखने वाली यह एक्ट्रेस कैसे सफल होगी? हालांकि,ये फिल्म हिट साबित हुई और इससे रेखा को रातोंरात पहचान मिल गई। इसके बाद रेखा ने रामपुर का लक्ष्मण (1972), कहानी किस्मत की (1973) और प्राण जाए पर वचन न जाए (1974) जैसी फिल्मों में काम किया। ये फिल्में हिट रहीं, लेकिन उनकी एक्टिंग को ज्यादा सराहना नहीं मिली। फिर 1976 में दो अनजाने और 1978 में घर और मुकद्दर का सिकंदर जैसी फिल्मों में क्रिटिक्स ने भी उनकी एक्टिंग की तारीफ की। इसके बाद फिल्म खूबसूरत (1980) के लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। उन्होंने सिलसिला (1981), उमराव जान (1981) और इजाजत (1987) जैसी फिल्मों में भी शानदार एक्टिंग की। उमराव जान के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड मिला। 1990 के दशक में उनके रोल कम होते गए, लेकिन खून भरी मांग (1988) और खिलाड़ियों का खिलाड़ी (1996) में उनकी अदाकारी की तारीफ हुई। 2000 के दशक के बाद वे मां और सपोर्टिंग रोल में नजर आईं, जैसे कोईज मिल गया (2003) और कृष (2006)। वहीं, रेखा की आखिरी तीन फिल्मों में सदियां (2010), कृष 3 (2013) - किरदारः सोनिया मेहरा और सुपर नानी (2014) शामिल हैं।

विनोद मेहरा से रेखा का रिश्ता चर्चा में रहा

जीतेंद्र के बाद रेखा की जिंदगी में विनोद मेहरा आए। दोनों अक्सर एक साथ हाथों में हाथ डाले,लंबी ड्राइव्स पर और देर रात ताज होटल में डिनर करते हुए देखे जाते थे। रेखा प्यार से उन्हें विन-विन बुलाती थीं। रेखा के लिए विनोद मेहरा वह इंसान थे,जिन्होंने उन्हें बिना शर्त चाहा। उन्होंने रेखा के विवादों और मीडिया की नकारात्मक छवि के बावजूद उनका साथ दिया, लेकिन विनोद की मां,कमला दोनों के रिश्ते के खिलाफ थीं। उनके लिए रेखा खराब पास्ट और सेक्स मैनिएक की छवि वाली एक बदनाम अभिनेत्री थीं,जो बहू बनने लायक नहीं थीं। ये बात खुद रेखा ने रेखाः द अनटोल्ड स्टोरी में कही थी। बुक में राइटर यासिर उस्मान ने लिखा, रेखा ने विनोद की मां का दिल जीतने की कोशिश की। वह विनोद के घर जाकर उनकी मां के लिए फिश करी बनातीं, बहन के साथ वक्त बितातीं, लेकिन कमला ने उन्हें नहीं अपनाया। कुछ महीनों बाद विनोद ने मां की मर्जी के खिलाफ गुपचुप तरीके से रेखा से शादी कर ली। शादी कलकत्ता के एक मंदिर में हुई। पर जब वे मुंबई लौटे और रेखा ने सास के पैर छूने की कोशिश की थी, तो कमला ने उन्हें धक्का देकर घर में घुसने से रोक दिया। रेखा अपमानित होकर रोती हुई वहां से चली गईं। सालों तक यही कहानी सुर्खियों में रही, लेकिन फिर 2004 में रेखा ने इंटरव्यू में ये कहते हुए हर किसी को हैरान कर दिया कि उन्होंने कभी विनोद मेहरा से शादी नहीं की,वे सिर्फ अच्छे दोस्त थे। विनोद मेहरा के बाद रेखा की मुलाकात एक्टर किरण कुमार से हुई, जो उस वक्त उनकी दोस्त योगिता बाली के बॉयफ्रेंड हुआ करते थे। योगिता अक्सर रेखा से सलाह लिया करती थीं, लेकिन वक्त के साथ खबरें आने लगीं कि किरण कुमार और रेखा के बीच नजदीकियां बढ़ रही हैं।

रेखा की पर्सनल लाइफ चर्चा में रही

रेखा की गिनती उन एक्ट्रेस में होती है जिनका फिल्मी करियर जितना चर्चित था, उतनी ही उनकी पर्सनल लाइफ भी चर्चा में रही। 1971 में रेखा को फिल्म एक बेचारा में जीतेंद्र के साथ साइन किया गया। जीतेंद्र उस वक्त कुंवारे थे और अपनी लोकप्रियता के चरम पर थे। दोनों के अफेयर की खबरें सामने आईं। शिमला में शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और मुंबई लौटने के बाद यह रिश्ता और गहरा गया। फिल्म एक बेचारा की कामयाबी के बाद दोनों ने फिल्म अनोखी अदा भी साइन की, लेकिन कहानी में मोड़ तब आया जब रेखा को पता चला कि जीतेंद्र की पहले से एक गर्लफ्रेंड शोभा हैं। रेखा के लिए यह झटका था। दिल टूटने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि जीतेंद्र के लिए यह रिश्ता सिर्फ टाइमपास था। फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके झगड़े इतने बढ़ गए कि सेट पर सबके सामने बातें होने लगीं। एक दिन जीतेंद्र की कोई टिप्पणी सुनकर रेखा फूट-फूटकर रो पड़ीं और उनके बीच बातचीत बंद हो गई। फिल्म किसी तरह पूरी हुई और ये रिश्ता खत्म हो गया।

किरण कुमार के साथ भी रेखा का नाम जुड़ा

रेखा और किरण की जोड़ी अक्सर पार्टियों में साथ दिखाई देती थी। रेखा उन्हें प्यार से किन-किन बुलाती थीं, लेकिन यह रिश्ता उनके करियर को नुकसान पहुंचाने लगा। रेखा का शूटिंग पर देर से पहुंचना या बीच में गायब हो जाना आम हो गया। एक बार फिल्म 'धर्मात्मा' की शूटिंग के दौरान वे अचानक मुंबई लौट आईं क्योंकि उन्हें किन-किन की याद आ रही थी। प्रोड्यूसर और डायरेक्टर उनके गैर-पेशेवर रवैये से परेशान रहने लगे। वहीं,किरण के पिता और दिग्गज अभिनेता जीवन इस रिश्ते के खिलाफ थे। उन्हें लगता था कि रेखा जैसी विवादित बैकग्राउंड वाली महिला उनके घर की बहू नहीं बन सकती। किरण ने भी अपने पिता के आगे झुकने का फैसला किया और रेखा से दूरी बना ली।

जया को रेखा प्यार से 'दीदीभाई' कहती थीं...

रेखा ने अपनी शुरुआती कुछ फिल्मों की सफलता के बाद 1972 में मुंबई में अपना फ्लैट खरीदा। इससे पहले तक वो सिर्फ शूटिंग के लिए मुंबई आती थीं और होटल में ठहरती थीं, लेकिन 1972 में वो होटल अजंता छोड़कर जुहू के बीच अपार्टमेंट में शिफ्ट हुई। इसी अपार्टमेंट में उस समय जया भादुड़ी भी रहती थीं। अपार्टमेंट्स में रहते हुए रेखा और जया अक्सर मिलती थीं। रेखा जया को प्यार से 'दीदीभाई' कहती थीं और अक्सर उनके फ्लैट पर जाती थीं। वहीं, रेखा की जया के बॉयफ्रेंड अमिताभ बच्चन से भी पहली मुलाकात हुई। 1973 में जया और अमिताभ की फिल्म 'जंजीर' रिलीज हुई, जिसने अमिताभ को 'एंग्री यंग मैन' के रूप में स्थापित किया। इसके बाद जया और अमिताभ ने शादी करने का फैसला किया। 3 जून 1973 को उनकी शादी हुई, लेकिन रेखा को इसमें आमंत्रित नहीं किया गया। रेखा ने इसे लेकर नाराजगी जताई और कहा कि जया ने कभी भी उन्हें वास्तविक बहन की तरह नहीं माना। अमिताभ और रेखा ने पहली बार फिल्म दो अनजाने में स्क्रीन शेयर की थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान अमिताभ की पंक्चुएलिटी और प्रोफेशनलिज्म से रेखा प्रभावित हुईं। रेखा ने पहली बार गंभीरता से अपने रोल को समझना शुरू किया और समय पर सेट पर आने लगीं और साथ ही भाषा, एक्टिंग और अपनी फिजीक पर खास तवज्जो देने लगीं। इस समय उन्होंने खूब वजन घटाया था। उन्होंने लंदन में मेकअप कोर्स किया और मीना कुमारी के मेकअप आर्टिस्ट राम दादा को भी हायर किया। फिल्म दो अनजाने का एक हिस्सा कोलकाता में शूट हुआ, जहां रेखा और अमिताभ अक्सर फ्लोरीज टी रूम पर जाते,पार्क स्ट्रीट पर घूमते और खाने-पीने के लिए बाहर जाते। इस दौरान रेखा और अमिताभ के कथित रिश्तों की खबरें मीडिया में आने लगीं। इस समय दोनों ने अलाप,खून पसीना जैसी फिल्में कीं। रेखा और अमिताभ की रियल-लाइफ रोमांस की अफवाहों ने उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को और भी दिलचस्प बना दिया। ठीक इसी समय रेखा की फिल्म घर रिलीज हुई।

कल्कि और स्पिरिट कंट्रोवर्सी पर दीपिका ने तोड़ी चुप्पी

बोलीं-सालों से मेल सुपरस्टार 8 घंटे काम कर रहे लेकिन मुझे टारगेट किया गया

दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' और नाग अश्विन की 'कल्कि 2' से बाहर होने और 8 घंटे की शिफ्ट की मांग कंट्रोवर्सी पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में इस पूरे विवाद पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे इंडस्ट्री में मेल सुपरस्टार हमेशा से आठ घंटे की शिफ्ट करते आए हैं लेकिन ये बात कभी हेडलाइन का हिस्सा नहीं रही है। इंटरव्यू में जब दीपिका से कहा गया कि उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी विरोध झेलना पड़ रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्ट्रेस ने कहा- एक महिला होने के नाते, अगर यह दबाव डालने जैसा होता है, तो ऐसा ही सही। लेकिन यह कोई सीक्रेट नहीं है कि इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में कई सुपरस्टार, मेल सुपरस्टार सालों से आठ घंटे काम कर रहे हैं और यह कभी सुर्खियों में नहीं आया। दीपिका ने आगे कहा- मैं अभी नाम नहीं लेना चाहती और इसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाना चाहती लेकिन यह बहुत आम बात है। पब्लिकली ये बात पता है कि बहुत सारे मेल एक्टर सालों से हर रोज आठ घंटे काम कर रहे हैं। उनमें से ज्यादातर मंडे से फ्राइडे तक सिर्फ आठ घंटे काम करते हैं। वे वीकेंड में काम नहीं करते। दीपिका

ने कहा कि भले ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को एक इंडस्ट्री कहा जाता है, लेकिन हमने कभी भी एक इंडस्ट्री की तरह काम नहीं किया है। यह एक बहुत ही अव्यवस्थित इंडस्ट्री है और अब समय आ गया है कि हम इस कल्चर में कुछ चेंज लाएं। बता दें कि हाल ही में दीपिका को 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसी दो बड़ी फिल्मों से बाहर होना पड़ा। कहा गया कि एक्ट्रेस ने इन दोनों फिल्मों में काम करने के लिए आठ घंटे की शिफ्ट की डिमांड रखी थी। साथ ही फीस के तौर पर भारी भरकम रकम की मांग भी की थी। दीपिका को अपनी इस मांग की वजह से अनप्रोफेशनल कहा गया।

ततड़-ततड़ गाना हिट हुआ,पर किसी ने काम नहीं दिया लोगों ने फोन तक उठाना बंद कर दिया : आदित्य नारायण

उदित नारायण जैसे सदाबहार गायक के बेटे आदित्य नारायण ने भी बचपन से ही सुर साधना शुरू कर दिया था। साल 1995 में रंगीला और अकेले हम अकेले तुम जैसी फिल्मों में बतौर चाइल्ड सिंगर उन्होंने गाना शुरू किया। आदित्य नारायण ने बेहद कम उम्र में रिएलिटी शो सारेगामापा के होस्ट के रूप में जबरदस्त कामयाबी भी देखी, वहीं एक्टिंग में कदम रखते ही उन्हें बड़ी नाकामयाबी मिली। आदित्य कहते हैं कि ये चुनौतियां ही हमारी जिंदगी को दिलचस्प बनाती हैं। आदित्य ने कहा, मुझे अब लगता है कि हम धरती पर आते ही हैं इन मुश्किलों और चुनौतियों का सामना करने के लिए। आप उससे कैसे उबरते हैं,वही आपके व्यक्तित्व को दिखाता है। इस दौरान आदित्य का इंडस्ट्री में बतौर प्लेबैक सिंगर कम मौके मिलने का दर्द भी छलका। बकौल आदित्य,मैंने जिंदगी के अलग-अलग दौर में अलग-अलग चुनौतियों का सामना किया है। जैसे,बचपन में जब छोटा था,तब मेरे पापा (उदित नारायण) और मम्मी दोनों बिजी होते थे। शुरू के डेढ़ साल तो मैं नानी के साथ रहा। थोड़ा बड़ा हुआ, तो भी मेरी जिंदगी बाकी बच्चों से अलग थी। सोमवार से शुक्रवार मेरा स्कूल चलता था और वीकेंड पर शूटिंग,शोज और रिकॉर्डिंग चलती थी। मेरे लिए यह समझना भी एक चुनौती थी कि मेरा बचपन बाकियों जैसा क्यों नहीं है।

कम उम्र में शोहरत, पैसा, इतनी अटेंशन हैंडल करना मुश्किल : आदित्य नारायण आगे कहते हैं,फिर टीनएज में जब मैं टीवी होस्ट बना तो रातोंरात मुझे स्टारडम मिल गया। एकदम से इतनी सारी लड़कियों के लव लेटर आ रहे है, पप्पियां मिल रही हैं,उस वक्त भी मैं इन चीजों को हैंडल करने में सक्षम नहीं था। मैंने तो ऐसे ही होस्टिंग शुरू की थी, पर उम्मीद से कहीं ज्यादा मुझे प्यार मिल गया। फिर पैसे बढ़ गए, लाखों में कमाने लगा। ऐसे में, इंसान थोड़ा बिगड़ जाता है। लगता है कि चलो थोड़ा ऐश कर लेते हैं,पार्टी कर लेते हैं, तो वो भी हुआ, क्योंकि इतनी कम उम्र में इतना प्यार,अटेंशन, पैसा, सक्सेस हैंडल करना मुश्किल होता है।

शापित फ्लॉप हुई तो लोगों ने फोन उठाना बंद कर दिया : आदित्य नारायण ने साल 2010 में शापित फिल्म से बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया था। वह बताते हैं, मेरी पहली फिल्म शापित नहीं चली,तो काम ही नहीं था। चारों ओर जो वाह-वाह करने वाले लोग थे,वो गायब हो गए। जो काम ऑलरेडी कर रहा था,वो भी बंद हो गया। लोगों ने हाथ ऊपर कर लिया कि भई ये तो फ्लॉप एक्टर हैं। लोगों को जब मैं कॉल करता था तो हाय-हैलो छोड़िए,वे फोन ही नहीं उठाते थे। मैंने पहली बार असफलता देखी थी। फिर,तब मैं 22 साल का हो गया था। किसी की छत्रछाया में नहीं था। घर भी ले लिया था, तो इस जीरो से फिर ऊपर उठना बहुत बड़ा चैलेंज था।

ततड़ ततड़ के बाद सबसे काम मांगा पर किसी ने नहीं दिया : आदित्य आगे बताते हैं, उसके बाद मैंने अपना पहला सुपर डुपर हिट गाना गाया, राम-लीला फिल्म के लिए, ततड़ ततड़। वो गाना चला,फिल्म भी चली,हीरो भी चला,मैंने अपना सौ फीसदी दिया,फिर भी अगले 1-2 साल तक मुझे किसी ने काम नहीं मिला। मैं सारे कंपोजर के पास काम मांगने गया था, पर किसी ने एंटरटेन नहीं किया, तो हर मोड़ पर 1 चुनौतियां आई है।

खेल समाचार

दिल्ली टेस्ट के पहले दिन भारत का स्कोर 318/2

यशस्वी का 7वां शतक,वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना बेस्ट स्कोर बनाया,वारिकन को 2 विकेट

नई दिल्ली,10 अक्टूबर 2025। दिल्ली टेस्ट के पहले ही दिन भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मजबूत पकड़ बना ली है। अरुण जेटली स्टेडियम में शुक्रवार को स्टंप्स तक टीम ने महज 2 विकेट खोकर 318 रन बना लिए। यशस्वी जायसवाल 173 और शुभमन गिल 20 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। यह यशस्वी का वेस्टइंडीज के खिलाफ बेस्ट टेस्ट स्कोर है। 2023 में उन्होंने 171 रन बनाए थे। भारत के कप्तान शुभमन ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। केएल राहुल 38 रन बनाकर आउट हुए, उन्होंने यशस्वी के साथ 58 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। साई सुदर्शन ने फिर यशस्वी के साथ 193 रन की पार्टनरशिप की। सुदर्शन 87 रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज से लेफ्ट आर्म स्पिनर जोमेल वारिकन ने 2 विकेट लिए। तीसरे सेशन में टीम इंडिया ने एक ही विकेट गंवाया। साई सुदर्शन 87 रन बनाकर आउट हुए। यशस्वी जायसवाल ओपनिंग से दिन का खेल खत्म होने तक नॉटआउट रहे। वेस्टइंडीज से सेशन में इकलौता विकेट जोमेल

वारिकन ने लिया। इस सेशन के 32 ओवर में 98 रन बने। पहले दिन के स्टंप्स तक टीम इंडिया ने महज 2 विकेट गंवाए और 318 रन बना लिए। टीम से साई सुदर्शन 87 और केएल राहुल 38 रन बनाकर आउट हुए। यशस्वी जायसवाल ने 7वां टेस्ट शतक लगाया, वहीं शुभमन गिल 20 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। वेस्टइंडीज से 2 विकेट जोमेल वारिकन ने लिए। भारत ने 86वें ओवर में 300 रन पूरे कर लिए। अगले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल ने शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप भी कर ली। भारत ने दूसरा विकेट 251 रन के स्कोर पर गंवाया था। यशस्वी जायसवाल ने 82वें ओवर में अपने 150 रन पूरे कर लिए। उन्होंने खैरी पीयर के ओवर की दूसरी गेंद पर सिंगल लिया और इस माइलस्टोन को हासिल किया। यशस्वी ने भारत में मुकाबले के पहले दिन दूसरी बार 150 रन का आंकड़ा पार किया। 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापट्टनम के मैदान पर भी वे ऐसा कर चुके हैं। यशस्वी से पहले घरेलू मैदान पर विराट कोहली ही ओपनिंग दिन पर 2 बार 150+ रन बनाने वाले खिलाड़ी थे।

वुहान ओपन 2025 सेमीफाइनल में सबालेंका और पेगुला की भिड़ंत पक्की

वुहान (चीन),10 अक्टूबर 2025। विश्व की नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शुक्रवार को एलेना राइबाकिना को 6-3, 6-3 से हराकर वुहान ओपन 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही उन्होंने इस टूर्नामेंट में लगातार 20वीं जीत दर्ज की और चौथे लगातार खिताब की अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं। सबालेंका और राइबाकिना के बीच यह 13वां मुकाबला था। पहले सेट में 4-3 की बढ़त के बाद बेलारूस की इस स्टार टेनिस खिलाड़ी ने राइबाकिना की सर्विस तोड़ते हुए सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट की शुरुआत में ही ब्रेक हासिल कर सबालेंका ने मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। कुछ देर के लिए सर्विस में लड़खड़ाहट के बावजूद उन्होंने जीत पर शिकंजा कसते हुए राइबाकिना के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 8-5 कर लिया। यह जीत उनके लिए सिनसिनाटी में इस साल राइबाकिना से मिली हार का बदला भी रही। अब सेमीफाइनल में सबालेंका का सामना अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला ने एक अन्य क्वार्टरफाइनल में शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा को 2-6, 6-0, 6-3 से हराया। यह इस सीजन में उनकी 50वीं जीत है, जिससे उन्होंने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। गौरतलब है कि सबालेंका और पेगुला के बीच अब तक 10 मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें से 8 में बेलारूस की खिलाड़ी को जीत मिली है। उन्होंने पिछले साल यूएस ओपन के फाइनल में भी पेगुला को हराया था।

साय कैबिनेट का फैसला : छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी

3100 रेट,21 क्विंटल प्रति एकड़ सीमा,6-7 दिन में होगा भुगतान

रायपुर,10 अक्टूबर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार को महानदी भवन में कैबिनेट बैठक हुई। मीटिंग में धान खरीदी को लेकर कई अहम फैसले लिए गए हैं। इस बार 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी की जाएगी। राज्य के 25 लाख से ज्यादा किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से खरीदी होगी। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जाएगी। खरीदी में पारदर्शिता और समय पर भुगतान तय करने के लिए किसानों को उनकी राशि 6 से 7 दिनों के अंदर दी जाएगी। इससे पहले, 2024-25 में 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। राज्य में कुल 25.49 लाख से ज्यादा किसानों ने धान बेचा था। जिसके लिए 31 हजार 89 करोड़ का भुगतान हुआ। इस बार प्रदेश में 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की संभावना जताई जा रही है। प्रदेश के 20,000 ग्रामों में दिनांक 02 अक्टूबर से डिजीटल क्राप सर्वे एवं मैन्यूअल गिरदावरी के डेटा को ग्रामसभा में पठन-पाठन कराया जा रहा है। किसानों को बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु टोकन तुहर हाथ मोबाईल एप के माध्यम से ऑनलाईन टोकन की व्यवस्था की गई है इसके तहत किसान स्वयं अपने सुविधा अनुसार दिनों में धान विक्रय किये जाने हेतु टोकन काट सकेगें। वास्तविक किसानों से धान खरीदी सुनिश्चित करने हेतु बायोमैट्रिक आधारित धान की खरीदी की जावेगी। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त-विकास निगम की 24.50 करोड़ रुपए की बकाया ऋण राशि एकमुश्त चुकाने का निर्णय लिया गया। यह राशि एनडीएफडीसी की ओर से राज्य के दिव्यांगों को 3% ब्याज दर पर शिक्षा और स्वरोजगार के लिए दिए गए ऋण से संबंधित है। स्कूल शिक्षा विभाग में 100 स्पेशल एजुकेटर की सीधी भर्ती के लिए नियमों में एक बार के लिए छूट दी गई। भर्ती नियम-2019 को शिथिल करते हुए,चयन परीक्षा के बजाय मेरिट के आधार पर भर्ती की अनुमति दी गई।

30 सितंबर को साय कैबिनेट के लिए गए फैसले

इससे पहले 30 सितंबर मंगलवार को साय कैबिनेट की मीटिंग हुई थी। बैठक में 3 प्रमुख फैसले लिए गए थे। दिव्यांगजन के कल्याण के लिए 24.50 करोड़ रुपए की बकाया राशि एकमुश्त चुकाने का निर्णय लिया गया। 100 स्पेशल एजुकेटर की भर्ती करने का फैसला भी लिया गया था। साथ ही शासकीय सेवकों को आकस्मिक वित्तीय जरूरत पर वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण उपलब्ध करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगी। वहीं इस बैठक में अमिताभ जैन को विदाई और नवनियुक्ति मुख्य सचिव का स्वागत किया गया। साथ ही उन्होंने पदभार ग्रहण किया था।

शासकीय सेवकों को अल्पावधि ऋण सुविधा

सरकारी कर्मचारियों की अचानक आने वाली वित्तीय जरूरतों को देखते हुए उन्हें वेतन के विरुद्ध अल्पकालिक ऋण देने का फैसला लिया गया। यह ऋण बैंकों या वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से दिया जाएगा। वित्त विभाग को आगे की कार्रवाई के लिए अधिकृत किया गया। पात्र बैंक/संस्थाओं से एमओयू करने का प्रारूप भी मंजूर किया गया।

साय कैबिनेट के फैसले

- **धान खरीदी अवधि:** खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी होगी।
- **खरीदी दर और सीमा:** राज्य के 25 लाख से अधिक किसानों से ₹3100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी। 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा तक खरीदी की जाएगी।
- **पंजीयन और पारदर्शिता:** इस साल ई-केवाईसी आधारित पंजीयन अनिवार्य। किसानों का पंजीयन भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के एग्रीस्टेक पोर्टल में किया जाएगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित।
- **डिजिटल क्रॉप सर्वे:** 23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का डिजिटल क्रॉप सर्वे पूरा। 20,000 ग्रामों में 2 अक्टूबर से डिजिटल सर्वे और मैनुअल गिरदावरी के डेटा का ग्रामसभा में पठन-पाठन जारी।
- **टोकन प्रणाली:** किसानों के लिए 'टोकन तुहर हाथ' मोबाइल ऐप से ऑनलाइन टोकन की सुविधा। किसान अपनी सुविधा अनुसार दिन चुनकर टोकन प्राप्त कर सकेंगे। सोसायटियों में लंबी कतारों से मिलेगी राहत।
- **धान खरीदी की पारदर्शिता:** बायोमैट्रिक सिस्टम से धान खरीदी की जाएगी ताकि केवल वास्तविक किसानों से खरीद हो। किसानों को भुगतान 6 से 7 दिनों के भीतर किया जाएगा।
- **खरीदी केंद्र व्यवस्था:** 2739 खरीदी केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी। हर केंद्र पर समुचित प्रशासनिक व्यवस्था के निर्देश। कलेक्टर केंद्र प्रभारी के रूप में प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति करेंगे।
- **प्रोत्साहन राशि:** समितियों को खरीफ वर्ष 2025-26 में शून्य सुखत (क्षति रहित धान) लाने पर ₹5 प्रति क्विंटल की प्रोत्साहन राशि।
- **बारदाना व्यवस्था:** धान खरीदी के लिए नए और पुराने जूट बारदानों की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।
- **केंद्रीय पूल के लिए लक्ष्य:** केंद्र सरकार ने 73 लाख मीट्रिक टन चावल लक्ष्य निर्धारित किया।
- **रिसाइक्लिंग और मॉनिटरिंग:** धान की रिसाइक्लिंग रोकने के लिए मार्कफेड कार्यालय में "इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर" स्थापित होगा। जिलों में भी कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे।
- **सीमावर्ती जिलों में निगरानी:** पड़ोसी राज्यों से धान की अवैध आवक रोकने के लिए विशेष चेकिंग दल गठित करने के निर्देश।
- **परिवहन और मितव्ययता:** धान के उठाव, परिवहन और भौतिक सत्यापन में मितव्ययता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

नान घोटाला:हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका को किया निराकृत

विचारण न्यायालय में आवेदन कर सकेंगे दायर

बिलासपुर,10 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 2015 के चर्चित नान घोटाले से संबंधित सीबीआई जांच की मांग वाली जनहित याचिकाओं को निराकृत कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जिन लोगों की घोटाले में भूमिका होने के बावजूद एसीबी ने चालान नहीं किया, उनके खिलाफ विचारण न्यायालय में धारा 319 के तहत आवेदन दायर किया जा सकता है। इसके साथ ही, भाजपा नेता धरमलाल कौशिक द्वारा एसआईटी जांच के खिलाफ दायर याचिका को वापस लेने की अनुमति दी गई। नान घोटाले से संबंधित याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने के कारण चार साल से हाईकोर्ट में सुनवाई रुकी हुई थी। सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी संबंधित मामलों का निराकरण होने के बाद, चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस पीपी साहू की विशेष खंडपीठ ने इन याचिकाओं पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान केवल 'हमर संगवारी' एनजीओ और अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव की जनहित याचिकाओं के लिए याचिकाकर्ता या उनके अधिवक्ता मौजूद थे। अन्य याचिकाओं की तरफ से कोई उपस्थित नहीं हुआ। धरमलाल कौशिक की ओर से अधिवक्ता गैरी मुखोपाध्याय मौजूद थे। राज्य सरकार की ओर से दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिवक्ता अतुल झा ने कोर्ट को बताया कि 10 साल में ट्रायल कोर्ट में 224 में से 170 गवाहों की गवाही हो चुकी है और मामला अंतिम चरण में है। अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने कहा कि उनकी याचिका का उद्देश्य उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई है, जिन्हें एसीबी ने जांच में शामिल नहीं किया।

कोर्ट का फैसला

खंडपीठ ने श्रीवास्तव की सीबीआई जांच की मांग को खारिज करते हुए कहा कि यह मांग विचारण न्यायालय में धारा 319 के तहत आवेदन द्वारा पूरी की जा सकती है। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि 10 साल पुराने मामले में अब जांच एजेंसी बदलना उचित नहीं है, क्योंकि विचारण अंतिम चरण में है। इसके साथ ही, सभी जनहित याचिकाओं को निराकृत या खारिज कर दिया गया।

चैतन्य को झटका, 24 अक्टूबर तक जेल में ही रहेंगे

रायपुर,10 अक्टूबर 2025। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय की विशेष अदालत ने बड़ा झटका दिया है। शराब घोटाले में अदालत ने उनकी न्यायिक रिमांड को बढ़ा दिया है,जिससे अब चैतन्य बघेल 24 अक्टूबर तक जेल में ही रहेंगे। ईडी की ओर से मामले की जांच के लिए और समय की मांग की गई थी,जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद चैतन्य बघेल की न्यायिक हिरासत 24 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध शाखा को 3 महीने के अंदर जांच पूरी करने कहा है। कोर्ट ने दिसंबर के आखिरी सप्ताह तक फाइनल रिपोर्ट मांगी है। सितंबर के आखिरी सप्ताह में सुप्रीम कोर्ट की ओर से ऑर्डर अपलोड किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ईडी और ईओडब्ल्यू ने मामले की जांच तेज कर दी है। शराब मामले में जुड़े आरोपी अधिकारियों और अन्य लोगों से पूछताछ जारी है। ईडी आबकारी विभाग के 30 अधिकारियों के बयान दर्ज करने में जुटी है। इनमें 7 रिटायर्ड अधिकारी भी शामिल हैं।

10 हजार रिश्वत लेते क्लर्क गिरफ्तार,एसीबी ने किया ट्रैप

बिलासपुर,10 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि आदिम जाति कल्याण विभाग के क्लर्क को 10 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। बताया बाबू मनोज टोंडेकर ने अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत ढाई लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि जारी करने के लिए युवक से रिश्वत ले रहा था। एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार,शिकायकर्ता अभिलाष बर्मन ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी कि,उसने इंटरकास्ट मैरिज किया है। अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से दो लाख 50 हजार रुपए दी जाती है। जिसके लिए उसने करीब साल भर पहले आदिम जाति कल्याण विभाग में आवेदन पत्र जमा किया था। यह राशि स्वीकृत होने के बाद विभाग का क्लर्क 10 हजार रुपए की मांग कर रहा था, वो रिश्वत नहीं देना चाहता है। उसने विभाग के क्लर्क के खिलाफ कार्रवाई की मांग की,जिस पर एसीबी ने उसे रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाई। शुक्रवार सुबह जैसे ही मनोज टोंडेकर ने रिश्वत की रकम ली, एसीबी की टीम ने उसे मौके पर पकड़ लिया। टीम ने आरोपी के पास से रिश्वत की राशि बरामद कर लिया है।

नगर पालिका और पंचायत में एक साथ मात्र 36 दिनों में चुनाव कराने पर राज्य निर्वाचन आयोग को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

रायपुर,10 अक्टूबर 2025। 'छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के स्थानीय निकाय चुनाव 2025 के प्रबंधन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। यह सम्मान 'स्थानीय निकायों के निर्वाचन 2025 के उत्कृष्ट प्रबंधन हेतु यह सम्मान छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग को बोत्सववाना में प्राप्त हुआ। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग को संयुक्त राष्ट्र लोक प्रशासन नेटवर्क की शोध संस्था आईसीपीएस द्वारा अवार्ड से सम्मानित किया गया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह के निर्देशन में संपन्न स्थानीय निकाय निर्वाचन 2025 के उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए उक्त संस्था को प्रस्ताव भेजा गया था। आयोग द्वारा प्रेषित प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए आईसीपीएस द्वारा उत्कृष्ट निर्वाचन प्रबंधन हेतु आयोग को नामांकित किया गया तथा बोत्सवाना की राजधानी गेबोरोन में आयोजित सम्मेलन में आयोग की प्रस्तुति के आधार पर आयोग को अवार्ड हेतु चयनित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र लोक प्रशासन नेटवर्क की शोध संस्था आईसीपीएस का कार्यालय मिलबैंक टावर, लंदन (यू.के.) में स्थित है।

खैरागढ़ में धारदार हथियार से पति-पत्नी की हत्या,पड़ोसी हिरासत में

खैरागढ़,10 अक्टूबर 2025। खैरागढ़ जिले के अतरिया गांव में शुक्रवार सुबह पति-पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान बाबूलाल शोरी (55) और उनकी पत्नी सुनती बाई शोरी (51) के रूप में हुई है। पत्नी की लाश घर के आंगन में और पति का शव कमरे के भीतर खून से लथपथ हालत में मिला। यह वारदात गंडई थाना क्षेत्र की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार,हत्या शुक्रवार तड़के सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी राजेश देवदास ने बताया कि दोनों की हत्या धारदार हथियार से की गई है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पड़ोसी भगवती गोंड (35) को हिरासत में ले लिया है। आरोपी,मृतक दंपती के घर के सामने ही रहता था। शुरुआती जांच में हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

अवैध उगाही के भय से एनटीपीसी कर्मचारी ने खाया जहर

एसएसपी ने एएसआई और कांस्टेबल को किया निलंबित....

सीपत,10 अक्टूबर 2025। सीपत थाना क्षेत्र से सामने आए अवैध उगाही के गंभीर मामले में स्सकरजनेश सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एएसआई सहेत्तर कुर्रे और आरक्षक आशीष मिश्रा को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई वाहन जांच और चालान के नाम पर भयादोहन के साथ-साथ ?50 हजार की अवैध मांग को लेकर की गई शिकायतों के आधार पर हुई है।

एक से वसूले 24 हजार एक ने खाया जहर

जानकारी के मुताबिक सीपत के नवाडीह चौक निवासी व्यापारी अविनाश सिंह ठाकुर से पुलिस ने वाहन जांच के दौरान बिना कार्रवाई छोड़ने के एवज में 50 हजार की मांग की।

व्यापारी के मना करने पर उसे प्राइवेट कंप्यूटर ऑपरेटर राजेश्वर कश्यप के खाते में दो किश्तों में 22 हजार और 2 हजार ट्रांसफर करने को कहा गया। पैसे लेने के बाद पहले वाहन छोड़ दिया गया, लेकिन कुछ देर बाद वाहन फिर से जब्त कर लिया गया। दूसरी मामले में उज्जवल नगर एनटीपीसी कॉलोनी में रहने वाले कर्मचारी धीरेंद्र मंजारे से भी पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगाते हुए 50 हजार की मांग की। दबाव और धमकी से परेशान होकर उन्होंने जहर खा लिया, जिसके बाद उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्राइवेट कंप्यूटर ऑपरेटर के खाते में लिए पैसा : एसएसपी रजनेश सिंह ने पूरे मामले की प्रारंभिक जांच एएसपी राजेंद्र जायसवाल को सौंपी थी। जांच में पाया गया कि उगाही की राशि थाने में कार्यरत प्राइवेट कंप्यूटर ऑपरेटर राजेश्वर कश्यप के खाते में ट्रांसफर कराई गई। कश्यप का थाने में नियमित आना-जाना रहता है, जिससे उसकी भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। प्रथम दृष्टया में ASI सहेत्तर कुर्रे और आरक्षक आशीष मिश्रा की संलिप्तता सामने आने पर दोनों को तत्काल निलंबित कर विभागीय जांच के निर्देश जारी किए गए हैं।

अवैध उगाही की सुनियोजित व्यवस्था पर उठे सवाल : मामले ने जिलेभर के थानों में अवैध वसूली की सुनियोजित व्यवस्था की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है। बताया जाता है कि कई थानों में या तो निजी व्यक्तियों या करीबी पुलिसकर्मियों के माध्यम से उगाही की एक 'अनौपचारिक व्यवस्था' चलाई जा रही है, जिससे अफसरों की बेगारी और निजी लाभ का इंतजाम किया जाता है।

टीएस सिंहदेव का बड़ा बयान,सबकी इच्छा होती है सीएम बनने की

बिलासपुर,10 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बनने की इच्छा को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने मुख्यमंत्री पद को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बोले ञस, मैं कभी नहीं कहूंगा कि मुझे मुख्यमंत्री नहीं बनना है। ऐसा कौन कहेगा कि मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते। पहले भी मेरा नाम चला था। ढाई-ढाई साल के मुद्दे पर मीडिया ने लगातार मुझे बनाए रखा। बाकी पार्टी का निर्णय अंतिम निर्णय होता है। टीएस सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ के अगले विधानसभा चुनाव में नेतृत्व को लेकर मीडिया के सवाल पर भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगला विधानसभा चुनाव कांग्रेस के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। अधिकांशतः पूर्व सीएम भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के नेतृत्व को लेकर तुलना की जाती है। इसलिए इस सवाल पर उन्होंने सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात कही है। कांग्रेस के सभी शीर्ष नेता अगले चुनाव में सामूहिक रूप से नेतृत्व करेंगे। वहीं CJI पर जूता फेंकने और HC वकील के पोस्ट पर पूर्व डिप्टी CM TS सिंहदेव ने कहा कि यह मामला किसी समाज या जाति से सीमित नहीं हो सकता। सर्वोच्च संवैधानिक स्थान पर जो व्यक्ति बैठा है उसका अनादर करेंगे, तो आप संपूर्ण संवैधानिक व्यवस्था का अनादर करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दुर्भाग्य से देश की राजनीति धर्म और जाति की हो गई है।

सड़क जाम कर आत्महत्या की कोशिश कबीरधाम में अफसरों के हाथ-पांव फूले

कबीरधाम,10 अक्टूबर 2025। जिले के दशरंगपुर क्षेत्र में ग्रामीण अवैध कब्जा के विरोध में सड़क पर उतर आए हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने रायपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे 30 को जाम कर दिया, जिसकी वजह से वाहनों की लंबी कतार लग गई है। वहीं प्रदर्शनकारी ग्रामीण ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्महत्या करने की भी कोशिश की तो वहीं दूसरी ओर कब्जाधारी गब्बर वैष्णव सहित तीन लोगों ने भी ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्महत्या की कोशिश की। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि दशरंगपुर चौकी क्षेत्र के उनके गांव का अतिक्रमण हटाया जाए। नेशनल हाईवे पर जाम लगभग तीन घंटे से जारी है और प्रशासन की टीम मौके पर स्थिति को नियंत्रित करने में लगी हुई है। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे से लगे सरकारी जमीन पर गब्बर वैष्णव द्वारा कब्जा किया गया है।

बाल तस्करी के मामलों का ट्रायल 6 माह में पूरा करने के निर्देश,देरी के चलते पीड़ितों को हो रहा है नुकसान

बिलासपुर,10 अक्टूबर 2025। बाल तस्करी से जुड़े सभी मामलों का ट्रायल 6 माह में पूरा करने के निर्देश हाईकोर्ट ने दिए हैं। गंभीर प्रकृति और संगठित अपराध होने के बावजूद ट्रायल में देर होने पर अपराधियों का हौसला बुलंद होते हैं। इसके अलावा ट्रायल में देरी होने से पीड़ित बच्चों को बार-बार आघात झेलना पड़ता है, जिसके चलते हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने सर्कुलर जारी कर कहा है कि ट्रायल को 6 माह में पूरा किया जाए। इसके लिए जरूरत हो तो रोजाना भी सुनवाई की जाए। इसमें लापरवाही बरतने पर सख्त कार्यवाही के निर्देश भी दिए गए है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी जारी किया है आदेश : बाल तस्करी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। जल्दी सुनवाई और सजा नहीं होने के चलते संगठित किस्म के इस अपराध को करने वालों के हौसले बुलंद है। इनके हौसले तोड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने भी अप्रैल 2025 में जारी अपने एक आदेश में ट्रायल जल्दी पूरा करने के निर्देश जारी किए थे। अब बिलासपुर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने भी इस संबंध में आदेश जारी किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का अक्षरशः पालन करने को कहा है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मनीष कुमार ठाकुर द्वारा 8 अक्टूबर 2025 को जारी किए गए सर्कुलर में कहा गया है कि ट्रायल को छह माह में पूरा करने के लिए यदि आवश्यक हो,तो उन्हें दैनिक आधार पर सुनवाई की जाए। यह निर्देश सुप्रीम कोर्ट द्वारा 15 अप्रैल 2025 को पिंकी विरुद्ध उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य के मामले में दिए गए निर्देशों के पालन में दिया गया है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय में दिए गए दिशा-निर्देशों का शब्दशः और भावना के साथ पालन सुनिश्चित किया जाए । दरअसल बाल तस्करी के बढ़ते मामलों और ट्रायल में होने वाली अनावश्यक देरी को देखते हुए यह निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में पाया था कि मुकदमों के लंबे समय तक लंबित रहने के कारण अपराध की गंभीरता और संगठित प्रकृति के बावजूद न्याय मिलने में देरी होती है। इस देरी से न केवल बाल संरक्षण कानूनों का उद्देश्य विफल होता है।

75 का दूल्हा,45 साल की दुल्हन से की लव-मैरिज: बुजुर्ग ने मूंछों पर दी ताव मोहल्लेवाले बने बाराती

बिलासपुर,10 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में गुरुवार की रात 75 साल के बुजुर्ग ने 45 साल की महिला से लव मैरिज की है। करवाचौथ से एक दिन पहले शिव मंदिर में सात फेरे लिए। वरमाला और मांग भरकर सभी रस्म निभाई। शादी के बाद बुजुर्ग अपनी मूंछों पर ताव देते नजर आया। इस दौरान पूरे मोहल्लेवासी बाराती बने। बाकायदा बाजे गाजे के साथ नाच गाकर विधि विधान से शादी कराई। बुजुर्ग पहले से शादीशुदा है, लेकिन उसकी पत्नी की कई साल पहले मौत हो चुकी है। महिला की भी ये दूसरी शादी है। पहला पति नशे में मारपीट करता था, इसलिए 10 साल पहले उसे छोड़ दिया था। दरअसल, मामला सरकंडा के चिंगराजपारा अटल आवास क्षेत्र का है। जहां मजदूरी का काम करने वाले 75 साल के दादू राम गंधर्व का दिल मोहल्ले के ही रहने वाली आरती त्रिवेदी (45) पर आ गया। युवती ने भी दादू राम के प्यार को स्वीकार किया। प्यार परवान चढ़ा, तो दोनों ने शादी कर साथ में जीवन बिताने का फैसला लिया। फैसले को हकीकत में बदलने का दिन आया, तो गुरुवार की रात दोनों ने पूरे विधि विधान से शादी की।

अनोखे प्रेम विवाह का पूरा मोहल्ला साक्षी बना

खास बात यह रही कि इस अनोखे प्रेम विवाह का गवाह पूरा मोहल्ला बना। बाजे-गाजे और नाच-गाने के साथ मोहल्ले के लोग शादी में शामिल हुए और दोनों को नवविवाहित जीवन की बधाई दी। यह शादी लोगों को हैरान जरूर कर गई, लेकिन दोनों के प्यार को देखकर लोग उत्साहित और खुश भी नजर आए। महिला ने बताया कि उनकी पहली शादी 1993 में हुई थी। पति शराब पीकर विवाद करता था। इसलिए 10 साल पहले उसको छोड़ दी थी। इसके बाद से अकेले जिंदगी काट रही थी। उनके 2 बच्चे भी हैं। बेटी की शादी हो चुकी है। बेटा पिता के पास रहता है। पिछले एक-दो साल से दादू राम गंधर्व को जानती है। हमने बची हुई जिंदगी साथ बिताने का फैसला किया। करवा चौथ से एक दिन पहले शादी की। आज करवा चौथ का व्रत भी रखा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)